साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 330 | जौनपुर, बुधवार, 28 अगस्त 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

केजरीवाल को नहीं मिली राहत, न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने कथित उत्पाद शुल्क नीति घोटाले के संबंध में सीबीआई द्वारा दर्ज मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 3 सितंबर तक बढ़ा दी। आम आदमी पार्टी (आप) प्रमुख को पहले दी गई न्यायिक हिरासत की अवधि समाप्त होने पर एक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से अदालत में पेश किए जाने के बाद राउज एवेन्यू अदालत ने केजरीवाल की हिरासत बढ़ा दी। दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में मनीष सिसोदिया के बाद अब के कविता को भी जमानत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में बीआरएस एमएलसी के कविता को जमानत दे दी। अदालत ने मामले में की जा रही जांच की प्रकृति को लेकर सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय की खिंचाई की। तेलंगाना के पूर्व सीएम के.चंद्रशेखर की बेटी के कविता 15 मार्च से हिरासत में हैं। सुनवाई के दौरान, जस्टिस बीआर गवई और के वी विश्वनाथन की सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई से पूछा कि उनके पास यह साबित करने के लिए क्या सामग्री है कि के कविता कथित दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति घोटाले में शामिल थीं।

संस्कृत विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति में वृद्धि के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान

लखनऊ, संवाददाता। योगी कैबिनेट ने मंगलवार को बड़ा निर्णय लेते हुए 24 साल बाद प्रदेश में संस्कृत विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति में वृद्धि का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में लोकभवन में आयोजित मंत्रिमंडल की बैठक में उत्तर प्रदेश में संस्कृत विद्यालयों और महाविद्यालयों में अध्ययन करने वाले छात्र–छात्राओं के लिए वर्ष 2001 से लागू वर्तमान छात्रवृत्ति दरों में संशोधन /वृद्धि के प्रस्ताव को स्वीकृति प्रदान की है। मालूम हो कि संस्कृत विद्यालयों और महाविद्यालयों के विद्यार्थियों की छात्रवृत्ति को 24 साल बाद बढ़ाया गया है। इससे पूर्व आखिरी बार 2001 में छात्रवृत्ति तय हुई थी। उल्लेखनीय है कि मंत्रिमंडल की बैठक में कुल 14 प्रस्ताव रखे गए, जिसमें 13 प्रस्तावों को मंत्रिमंडल से अनुमोदन प्राप्त हो गया।

कक्षा 6 व 7 के छात्रों को भी मिलेगा छात्रवृत्ति का लाभ

माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी ने इस प्रस्ताव के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मंत्रिमंडल ने माध्यमिक शिक्षा विभाग से संबंधित इस महत्वपूर्ण प्रस्ताव को मंजूरी प्रदान की है। इसके अंतर्गत प्रथमा के कक्षा 6 एवं 7 के लिए 50 रुपए प्रतिमाह और कक्षा 8 के लिए 75 रुपए प्रतिमाह निर्धारित किए गए हैं। इसके साथ ही, पूर्व मध्यमा (कक्षा 9 व 10) के लिए 100 रुपए, उत्तर मध्यमा (कक्षा 11 व 12) के लिए 150 रुपए, शास्त्री के लिए 200 रुपए एवं आचार्य के लिए 250 रुपए प्रति माह की दर से दिए जाने के प्रस्ताव पर मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदन प्रदान किया गया।

किसी भी आय वर्ग के छात्र ले सकेंगे लाभ

माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने बताया कि संस्कृत की शिक्षा ग्रहण करने वाले ज्यादातर छात्र और छात्राएं निर्धन परिवारों की पृष्ठभूमि से होते हैं, इसलिए संस्कृत शिक्षा के अंतर्गत प्रथमा कक्षा छह और सात और आठ के छात्रों को छात्रवृत्ति दिए जाने की व्यवस्था की गई है। 6 और 7 के बच्चों को पहले छात्रवृत्ति दिए जाने की कोई व्यवस्था नहीं थी, लेकिन अब मुख्यमंत्री जी के निर्देश पर सरकार ने उन्हें भी छात्रवृत्ति प्रदान करने का निर्णय लिया है। छात्रवृत्ति में जो संशोधन किया गया है वो पहले की तुलना में कहीं ज्यादा है। इसका लाभ सीधे–सीधे विद्यार्थियों को प्राप्त होगा। यह निर्णय संस्कृत शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए किया गया है। इसमें पहले कैपिंग थी कि 50 हजार रुपए वार्षिक आय वाले ही इसमें पात्र होंगे, लेकिन अब इस शर्त को हटा लिया गया है। अब इसमें आय वर्ग का कोई कैप नहीं है। किसी प्रकार का कोई भी व्यक्ति चाहे किसी आय वर्ग का हो, अगर वो संस्कृत का विद्यार्थी बनेगा तो उसे छात्रवृत्ति का लाभ मिलेगा। उन्होंने कहा कि संस्कृत ही सभी भाषाओं की जननी है, इसलिए

सरकार पूरी तरीके से इस पर ध्यान दे रही है। वित्त एवं संसदीय कार्य मंत्री सुरेश खन्ना ने बताया कि प्रदेश में कुल 517 संस्कृत विद्यालय हैं, जहां विद्यार्थी इस योजना का लाभ ले सकेंगे।

पर्यटक आवास गृह का प्रबंधन कर सकेंगे निजी उद्यमी

उत्तर प्रदेश में आने वाले देशी विदेशी पर्यटकों को बेहतर आवासीय एवं खान–पान की सुविधा उपलब्ध कराने के लिए योगी सरकार ने उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लि. द्वारा संचालित पर्यटक आवास गृहों को प्रबंधकीय संविदा के आधार पर निजी उद्यमियों के माध्यम से संचालित कराने की समयसीमा को 5 वर्ष से बढ़ाकर 30 वर्ष (1515) कर दिया है। पर्यटन मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विगत कुछ वर्षों में उत्तर प्रदेश में आने वाले देशी और विदेशी पर्यटकों की संख्या में तेजी से वृद्धि हुई है।

2016–17 में लगभग 16 करोड़ पर्यटक आए थे तो 2023 में 48 करोड़ पर्यटक उत्तर प्रदेश में आए। इस साल इसमें और वृद्धि होने की संभावना है। वहीं 2025 में महाकुंभ भी है, जिसमें बड़ी संख्या में पर्यटक प्रदेश में आएंगे। उनके ठहरने और खाने–पीने की व्यवस्था संभव हो सके, इसके लिए पर्यटन विकास निगम के पर्यटक आवास गृह संचालित किए जा रहे हैं।

महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य –पीएम

नई दिल्ली, एजेसी। महिलाओं के खिलाफ अपराध अक्षम्य हैं, प्रधानमंत्री मोदी ने रविवार को जोर देते हुए सभी राज्यों से महिलाओं की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का आग्रह किया। जलगांव में स्वयं सहायता समूहों के लिए आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में उन्होंने कहा, ष्महिलाओं की सुरक्षा बहुत महत्वपूर्ण है...न केवल अपराधी को कड़ी सजा मिलनी चाहिए, बल्कि उन्हें बचाने की कोशिश करने वालों से भी सख्ती से निपटना चाहिए। हालांकि मोदी ने किसी विशेष मामले का जिक्र नहीं किया, लेकिन कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हाल ही में एक रेजिडेंट डॉक्टर की बलात्कार–हत्या और बदलापुर के एक स्कूल में दो नाबालिग लड़कियों के यौन उत्पीड़न की घटना के मद्देनजर उनकी टिप्पणी महत्वपूर्ण है, जिसके बाद विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए। मोदी ने कहा, मैं महिलाओं के बीच गुस्से और दर्द को समझ सकता हूँ जब ऐसी हरकतें होती हैं। उन्होंने चेतावनी दी कि दोषियों को बचाने वाले पुलिस, डॉक्टर और स्कूल प्रतिनिधियों को बख्शा नहीं जाना चाहिए। ऊपर से नीचे तक यह संदेश जाना चाहिए कि ऐसी हरकतें बर्दाश्त नहीं की जाएँगी।

'महिलाओं के खिलाफ अपराध से सख्ती से निपटना होगा'

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महिलाओं के खिलाफ अपराधों को रोकने के लिए राज्य सरकारों, राजनीतिक दलों और समाज की जिम्मेदारी को रेखांकित किया। उत्तर महाराष्ट्र के जलगांव में स्वयं सहायता समूहों के लिए आयोजित लखपति दीदी सम्मेलन में उन्होंने कहा, सरकारें आती–जाती रहेंगी, लेकिन महिलाओं के खिलाफ अपराध से हर कीमत पर सख्ती से निपटना होगा।

पिछले कुछ वर्षों में गहरी और विविधतापूर्ण हुई भारत और ब्राजील की रणनीतिक साझेदारी - एस.जयशंकर

नई दिल्ली, एजेसी। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि भारत और ब्राजीज के बीच रणनीतिक साझेदारी बीते वर्षों में गहरी हुई है। उन्होंने कहा कि यह साझेदारी अब रक्षा, अंतरिक्ष, सुरक्षा, प्रौद्योगिकी और लोगों के बीच संबंधों जैसे कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में फैली हुई है। दिल्ली में नौवीं भारत–ब्राजील संयुक्त आयोग बैठक (जेसीएम) के उद्घाटन भाषण में जयशंकर ने लैटिन अमेरिकी देश को जी–20 बैठकों के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। जयशंकर ने कहा, ष्मैं ब्राजील की जी–20 अध्यक्ष के लिए भारत के पूर्ण समर्थन को दोहराना चाहूंगा और यह भी याद दिलाना चाहूंगा कि इसकी मेजबानी के दौरान हमें आपका पूरा समर्थन मिला था। उन्होंने कहा, हम एक न्यायसंगत

दुनिया और एक टिकाऊ ग्रह का निर्माण की थीम पर केंद्रित विभिन्न अनूठी पहलों की सराहना करते हैं। ब्राजील के विदेश मंत्री मौरो विएरा 25 अगस्त को दिल्ली पहुंचे। अपने उद्घाटन भाषण में उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा नवंबर में रियो डी जनेरियो में होने वाले जी–20 शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत करने के लिए उत्सुक हैं। ब्राजील अभी जी–20 का अध्यक्ष है। पिछले साल भारत ने जी–20 की अध्यक्षता ब्राजील को सौंप दी थी। जयशंकर ने अपने भाषण में ब्राजील के समकक्ष और उनकी टीम का स्वागत किया और कहा कि उन्हें संयुक्त आयोग की बैठक से बहुत अच्छे परिणामों की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हमारी रणनीतिक साझेदारी 2006 में शुरू हुई थी, समय के साथ यह और भी गहरी व विविध हो गई है।

अब यह साझेदारी रक्षा, अंतरिक्ष, साइबर सुरक्षा से लेकर स्वास्थ्य एवं चिकित्सा, पारंपरिक चिकित्सा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी, संस्कृति और लोगों के आपसी संबंध बहुत सारे क्षेत्रों में फैली हुई है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और ब्राजील के बीच बेहतरीन द्विपक्षीय व्यापार व्यवस्था है और यह काफी हद तक बढ़ी है। उन्होंने यह भी कहा कि पिछले साल हमें कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ा और इस पर वह विएरा से चर्चा की उम्मीद कर रहे हैं।

मायावती एक बार फिर चुनी गईं बसपा की राष्ट्रीय अध्यक्ष

लखनऊ, संवाददाता। मायावती मंगलवार को एक बार फिर से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष चुनी गईं। यह घटनाक्रम उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री के इस दावे

के एक दिन बाद आया है कि वह सक्रिय राजनीति से संन्यास नहीं लेने जा रही हैं। उन्होंने कहा था कि मैं सक्रिय राजनीति से संन्यास नहीं ले रही हूं और जातिवादी मीडिया मेरे खिलाफ ऐसी फर्जी खबरें फैला रहा है। 68 वर्षीय बसपा अध्यक्ष उत्तर प्रदेश के चार बार पूर्व मुख्यमंत्री हैं। बसपा ने अपने बयान में कहा कि उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती को बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की कार्यकारिणी की लखनऊ में आयोजित बैठक में एक बार फिर सर्वसम्मति से बसपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष चुना गया। बसपा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की 27 अगस्त को लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में होने वाली बैठक को लेकर मीडिया में यह अटकलें लगायी जा रहीं थी कि मायावती अपने भतीजे आकाश आनन्द का कद बढ़ा सकती हैं। उनके संन्यास लेने की भी अटकलें थीं। बसपा प्रमुख ने सोमवार को एक्ष्स पर अपने आधिकारिक खाते पर कहा बहुजनों के अम्बेडकर वादी कारवां को कमजोर करने की विरोधियों की साजिशों को विफल करने और बाबा साहेब डा. भीमराव अम्बेडकर एवं कांशीराम जी की तरह ही मेरी जिन्दगी की आखिरी सांस तक बसपा के आत्म–सम्मान व स्वाभिमान आंदोलन को समर्पित रहने का फैसला अटल है। पोस्ट में कहा अर्थात सक्रिय राजनीति से मेरा संन्यास लेने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता है।

कांग्रेस एक घोषणा पार्टी बनकर रह गई है - रविशंकर

नई दिल्ली, एजेसी। भारतीय जनता पार्टी के सांसद रविशंकर प्रसाद ने रविवार को भाजपा कार्यालय में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कांग्रेस को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस घोषणा पार्टी बनकर रह गई है। रविशंकर प्रसाद ने सवाल करते हुए कहा, ष्कांग्रेस सिर्फ घोषणाएं ही करेगी या कभी उन पर अमल भी करेगी? पिछले दो सालों से कांग्रेस पार्टी पुरानी पेंशन योजना को भारतीय राजनीति में तूफान बनाकर घूम रही है। कर्मचारियों के हित में मोदी सरकार हर वो काम कर रही है, जो वह कर सकती है। भारत के कर्मचारी देश के लिए काम करते हैं। उन्हें इस बात से कोई मतलब नहीं है कि सत्ता में कौन सी पार्टी है। उनके काम से ही देश आगे बढ़ता है। उन्होंने कहा कि 23 लाख केंद्रीय कर्मचारियों को 50 फीसदी फिक्स पेंशन दी जाएगी। इस फैसले में कल्याणकारी राज्य की कल्पना झलकती है। केंद्र सरकार इसके लिए पूरी फंडिंग करेगी। कर्मचारियों के लिए मोदी सरकार ने वह सब किया जो वह कर सकती थी। नरेंद्र मोदी सरकार इसी तरह काम करती है। वह सलाह–मशवरा करके काम करती है और जो भी करती है, जनहित में करती है।

23 लाख कर्मचारी और उनके परिवार जनहित के लिए काम करते हैं। रविशंकर प्रसाद ने आगे कहा कि राहुल गांधी के लिए सवाल यह है, ष्क्या हिमाचल प्रदेश में आपकी सरकार ने पुरानी पेंशन योजना लागू की? कर्नाटक चुनाव में आपने बहुत चालाकी से खेल खेला।

लद्दाख में पांच नए जिले बनाने की गृहमंत्री शाह ने की घोषणा

नई दिल्ली, एजेंसी। गृह मंत्रालय ने केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में पांच नए जिले बनाने का फैसला किया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर एक पोस्ट कर इस बात की घोषणा की। उन्होंने कहा कि नए जिलों के निर्माण से लोगों को मिलने वाले लाभ उनके दरवाजे तक पहुंचेंगे। उन्होंने गृह मंत्रालय के इस फैसले के पीछे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित दृष्टिकोण को श्रेय दिया। अपनी पोस्ट में अमित शाह ने लिखा, एक विकसित और समृद्ध लद्दाख के निर्माण के नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण की खोज में, गृह मंत्रालय ने केंद्र शासित प्रदेश में पांच नए जिले बनाने का फैसला किया है। नए जिले, जांस्कर, द्रास, शाम, नुब्रा और चांगथांग, हर गली–मोहल्ले में शासन को मजबूत करके लोगों को मिलने वाले लाभ

उनके दरवाजे तक पहुंचेंगे। मोदी सरकार लद्दाख के लोगों के लिए प्रचुर अवसर पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री मोदी ने गृह मंत्रालय के लद्दाख में पांच नए जिलों के गठन करने के फैसले की सराहना की। उन्होंने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर लिखा, लद्दाख में पांच नए जिलों का निर्माण बेहतर शासन और समृद्धि की दिशा में एक कदम है। जांस्कर, द्रास, शाम, नुब्रा और चांगथांग पर अब ज्यादा ध्यान दिया जाएगा, जिससे सेवाएँ और अवसर लोगों के और भी करीब आएँगे। वहाँ के लोगों को बधाई। जानकारी के लिए बता दें, लद्दाख में अभी सिर्फ दो ही जिले हैं। एक है लेह और दूसरा है कारगिल। गृह मंत्रालय के फैसले के बाद अब लद्दाख में कुल सात जिले हो जाएंगे।

अपराध पर योगी सरकार की जीरो टालरेंस की नीति – पाठक

मैनपुरी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से बंटेंगे तो कटेंगे, एक रहेंगे तो सुरक्षित रहेंगे दिए गए बयान का डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने समर्थन किया है। मैनपुरी पहुंचे ब्रजेश पाठक ने कहा कि कहा कि पहले भी हम बार–बार कहते थे कि हम सब को इकट्ठा होना पड़ेगा। जो विपक्षी दल हैं, तरह –तरह के हथकंडे अपना कर समाज में लोगों को बांटने का काम कर रहे हैं। जबकि भारतीय जनता पार्टी और हमारी सरकार लगातार लोगों को मुख्यधारा से जोड़ रही है, डेवलपमेंट कर रही है, देश और प्रदेश को नंबर एक पर लाने का काम कर रही है। विपक्षी गठबंधन का काम केवल और केवल लोगों में भय का वातावरण पैदा करना है। केशव प्रसाद मौर्य की ओर से अखिलेश

यादव को दरबारी बताए जाने के सवाल पर डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक बचते हुए नजर आए। हम युवाओं को रोजगार और विभिन्न कार्यक्रमों से करहल की जनता को जोड़ने के लिए यहां आया हूं। हमें पोलिटिकल एजेंडा नहीं चलाना है। जब–जब उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार रही, गुंडे–माफिया, बदमाश, लुच्चे– लफंगे और चंबल के बीहड़ों में डकैत पनपे हैं। उन्होंने कहा, हमारी सरकार की प्रतिबद्धता है कि हम अपराध पर जीरो टॉलरेंस की रणनीति अपनाएंगे। एक भी अपराधी प्रदेश में खुले में घूम नहीं रहा है, जो लिस्टेड माफिया गिरोह है, आज उत्तर प्रदेश में या तो जेल में है या प्रदेश के बाहर है।

हमने सख्त नकल विरोधी कानून लाकर नकल माफिया को पूरी तरह किया समाप्त - सीएम धामी

देहरादून, एजेंसी। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मंगलवार को मुख्य सेवक सदन भवन में आयोजित कार्यक्रम में उच्च शिक्षा विभाग के अन्तर्गत चयनित 72 असिस्टेंट प्रोफेसरों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने नकल के खिलाफ कड़े कानून लाकर नकल माफिया को पूरी तरह समाप्त कर दिया है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री समाज शास्त्र, अर्थशास्त्र और अंग्रेजी विषय में चयनित असिस्टेंट प्रोफेसरों को नियुक्ति पत्र प्रदान किए। उन्होंने मेधावी छात्रों के लिए नेशनल इंस्टीट्यूशनल रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) में 50 हजार रुपये की धनराशि प्रदान किए जाने के लिए पोर्टल का शुभारंभ भी किया। सीएम धामी ने सभी चयनित 72 असिस्टेंट प्रोफेसरों को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा, मुझे पूर्ण विश्वास है कि सभी नवनियुक्त युवा अपने कार्यक्षेत्र में पूरी ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य करेंगे। हमने सख्त नकल विरोधी कानून लाकर नकल माफिया को पूरी तरह से समाप्त कर दिया है। अब प्रदेश में तेजी से भर्तियां भी निकल रही हैं और उन पदों पर युवाओं को नियुक्ति भी मिल रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षार्थियों के भविष्य निर्माण में शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। आपके पास हमारे युवाओं का भविष्य निर्माण करने की अहम जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि नये चयनित असिस्टेंट प्रोफेसरों का यह पहला पड़ाव है। अब उनके पास अपने कार्यक्षेत्र में

श्रेष्ठ प्रदर्शन से बच्चों के भविष्य को संवारने की महत्वपूर्ण चुनौती है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि नव चयनित असिस्टेंट प्रोफेसर अपने कार्यस्थल पर नवाचार का प्रयोग करेंगे। समाज की कुरीतियों के खिलाफ जागरूकता अभियान चलाएंगे, शिक्षा के क्षेत्र में आधुनिक तकनीक का प्रयोग करेंगे और रोजगारपरक शिक्षा के साथ बच्चों को अच्छे संस्कार भी देंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बाबा केदार की भूमि से कहा था कि 21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का दशक होगा। राज्य सरकार इस दिशा में आगे बढ़ रही है। राज्य में समान नागरिक संहिता लागू करने की तैयारी अंतिम चरण में है। पिछले तीन साल में 16 हजार से अधिक युवाओं को सरकारी सेवाओं में नियुक्ति प्रदान की गई है और शेष रिक्त पदों को भरने की प्रक्रिया भी तेजी से चल रही है। राज्य में सख्त नकल विरोधी कानून और दंगा रोधी कानून लागू किया गया है। नीति आयोग द्वारा जारी सतत विकास लक्ष्यों में उत्तराखंड को देश में प्रथम स्थान मिला है।

संपादकीय

राजा की शौचालय की कहानियाँ

नॉटिंघम से लंदन की बस यात्रा में मुझे उम्मीद से कई घंटे ज़्यादा लग गए और जैसे ही हम ब्रिटिश शाही निवास पर पहुँचे, मुझे बाथरूम की सख्त जरूरत थी। एक गलियारे की ओर अस्पष्ट रूप से हाथ हिलाया, मैंने पहले दरवाजे से अंदर छलांग लगाई, मुझे लगा कि यह शौचालय की ओर जाता है, और खुद को समय के पीछे पाया। यह साधारण लेकिन क्लासिक रूप से सुंदर था, फर्श पर सफेद और काले रंग की टाइलों से लेकर घुमावदार चांदी के नल, चेन फ्लश, महोगनी टॉयलेट सीट और कोने में कुरसी तक। लेकिन कोने में कुरसी पर जो था, उसने मुझे रोक दिया! एक आदमी का सिर, सौभाग्य से असली नहीं, या एक कील पर, जो पुराने जमाने के राजाओं का प्रिय था, लेकिन एक दाढ़ी वाले आदमी की पत्थर की मूर्ति जो मुझे गौर से देख रही थी। मुझे यकीन नहीं था कि मैं इतनी गहन जांच के बीच शसिंहासनश पर चढ़ पाऊँगी, इसलिए मैंने उसके चेहरे पर अपना दुपट्टा डाल दिया, ताकि वह भी शर्मिंदा न हो। जब मैं अपने हाथों को अच्छी खुशबू वाले साबुन से धो रहा था, तभी दरवाजे पर जोरदार दस्तक हुई और एक ब्रिटिश सहकर्मी ने कुछ आग्रह के साथ कहा, ष्आप राजा के शौचालय में हैं!ष आप खुद से पूछ रहे होंगे कि मैं पहले स्थान पर राजा चार्ल्स के निवास में क्यों था? पिछले महीने, मेरी स्कूली बेटी और मुझे ब्रिटेन में साक्षरता को प्रोत्साहित करने में हमारे काम के सम्मान में रानी कैमिला ने उनसे मिलने के लिए आमंत्रित किया था। मेरी तीसरी किताब हैंडल विद केयर को भी ब्रिटेन–व्यापी नामांकन से चुना गया और राष्ट्रीय साक्षरता ट्रस्ट के समारोह में रानी को प्रस्तुत किया गया। अगले दिन, मेरा और मेरी किताब का नाम ब्रिटिश अखबारों में था। यह सब बहुत संतोषजनक था, लेकिन विचित्र कहानियों के एक कथाकार के रूप में जो मानव मानस के बारे में कुछ प्रकट करते हैं, राजा के शौचालय में मेरा ठोकर खाना यात्रा का मुख्य आकर्षण था! क्या वॉशरूम ने राजा के बारे में कुछ अप्रत्याशित बताया? जैसा कि मैं कल्पना करता हूं कि वह पॉलिश और सुरुचिपूर्ण होना चाहिए, यह संभवतः राजघरानों की तुलना में उनके कर्मचारियों की सावधानी के बारे में अधिक बताता है। क्या दाढ़ी वाले दादा की प्रतिमा व्यक्तिगत स्पर्श हो सकती है? जैसे कि मेरे स्वतंत्रता संग्राम के दादाजी द्वारा टेलीफोन टेबल पर प्रदर्शित कार्ल मार्क्स की प्रतिमा, जो उनके घर की सजावट में उनका एकमात्र योगदान था? मैंने जिस शाही प्रतिमा को देखा, वह निश्चित रूप से कार्ल मार्क्स की नहीं थी (चार्ल्स की उदार प्रवृत्ति के बावजूद, यह कितना हास्यास्पद होगा? और इससे ब्रिटिश जनता के रूढ़िवादी हिस्से को क्या झटका लगेगा, जो इस महीने की शुरुआत में अप्रवासियों और अपनी ही पुलिस के खिलाफ दंगा कर रहे थे?)। आखिरकार, शाही बाथरूम में मेरे अवास्तविक प्रवेश में मैंने जिस आत्मा की झलक देखी, वह राजा की नहीं, बल्कि अतीत में फंसे ब्रिटेन की थी! शौचालय और यहां तक घ्धकि शाही निवास के प्रति निष्पक्ष होने के लिए, यह आज के सुपर–रिच लोगों की दिखावटी हवेलियों और अति–उच्च जीवन शैली की तुलना में कमतर था। डोनाल्ड ट्रंप की शानदार इमारतों और घर के करीब अंबानी की बड़ी–बड़ी शादियों के बारे में सोचिए। अंबानी की कई ज्यादतियों का विस्तार से वर्णन प्रेस और आलोचकों ने किया है, इसलिए मैं उन्हें नहीं दोहराऊंगा, लेकिन यह 21वीं सदी के भारतीयों के बारे में क्या कहता है? हमारी हजारों साल पुरानी संस्कृति में एक सहज परिष्कार था जो लगता है कि धन की खोज में खत्म हो गया है। अच्छा जीवन कौन नहीं चाहता, लेकिन धन संचय से कहीं बढ़कर इसमें बहुत कुछ है।

क्या हम इस सच्चाई को भूल गए हैं जिसे हम कभी करीब से जानते थे? इससे भी बदतर यह है कि हम जिस आक्रामक आक्रामकता को अपनाते हैं, वह बदसूरत अमेरिकी की नकल है। यह बहुत बढ़िया है कि हम नई सहस्राब्दी में अधिक मुखर हैं, क्योंकि हमारे सामने आने वाली कई चुनौतियों से पार पाने के लिए निश्चित रूप से थोड़ी ऊर्जा की आवश्यकता होती है, लेकिन क्या हम शोर मचा रहे हैं? हम खुद को छोड़कर किसे बहरा कर रहे हैं? मैं पश्चिमी प्रेस की आलोचना को यह कहकर खारिज कर सकता हूँ कि यह कड़वा है, लेकिन बहुत से कट्टर भारतीय खुद इस उभरते हुए हर किसी के लिए खुद के लिए युग की आलोचना करते हैं। औपनिवेशिक जुए से मुक्ति के रूप में वर्णित, यह कभी–कभी लालची असभ्यता का बहाना बन जाता है। आप तर्क दे सकते हैं कि हम दुनिया द्वारा हमारे साथ किए गए दुर्व्यवहार को दोहरा रहे हैं, जितना हो सके उतना बुरा व्यवहार कर रहे हैं, लेकिन जब वे शनीचेश जाते हैं, तो क्या हमें ऊपर नहीं जाना चाहिए? या, वास्तव में, यह एक घरेलू नायक (सौभाग्य से अभी भी कई लोगों के लिए नायक है) से है – वह बदलाव बनें जो आप देखना चाहते हैं। हमें केवल अपने अतीत को देखने की जरूरत है ताकि यह देखा जा सके कि हमें सफल होने के लिए उनके स्तर तक गिरने की जरूरत नहीं है। लेकिन मैं विषय से भटक गया – हम बाथरूम और सहवर्ती व्यक्तित्वों का निरीक्षण कर रहे थे! राजा के शौचालय में मेरा घुसना मुझे आश्चर्यचकित करता है कि आपके और मेरे बारे में क्या सोचा जाएगा। हमारी डिनर पार्टियों में आए मेहमान हमारे वॉशरूम से हमारे बारे में क्या निष्कर्ष निकालेंगे? क्या आपको वह पार्टी गेम याद है जिसमें आपको दुनिया के किसी भी व्यक्ति से डिनर के लिए मेहमान चुनने के लिए कहा जाता है, चाहे वह जीवित हो या मृत?

महिलाओं के प्रति सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तन

आदित्य

सभी अपराधों में बलात्कार सबसे जघन्य अपराध है। इसकी बार–बार होने वाली घटनाओं से देश की अंतरात्मा व्यथित है। इसके अलावा महिलाओं के खिलाफ अपराध की बार–बार होने वाली घटनाएं भी राष्ट्रीय शर्म का विषय हैं। पहले ऐसी घटनाएं बहुत कम दर्ज होती थीं। इन अपराधों की रिपोर्टिंग से यह जागरूकता पैदा हुई है कि इस तरह के जघन्य अपराध की जांच तेजी से की जानी चाहिए और तेजी से निपटा जाना चाहिए। 2016 से 2022 तक अकेले बाल बलात्कार के मामलों में 96 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। 2016 में 19,765 मामले दर्ज किए गए थे, जबकि 2017 में यह 27,616 था। 2021 में यह संख्या बढ़कर 36,381 हो गई। 2022 में यह 38,911 थी। अकेले 2021 में भारत में हर घंटे महिलाओं के खिलाफ 49 अपराध दर्ज किए गए। यह संभवतः अधिक रिपोर्टिंग और रिपोर्टिंग तंत्र के बारे में बढ़ी हुई जागरूकता के कारण है। पीड़ितों को न्याय दिलाने में सहायता के लिए हेल्पलाइन और एजेंसियों के माध्यम से अधिक पहुंच ने भी मदद की है। पीड़ितों के परिवारों के पास अब यह सुनिश्चित करने का एक रास्ता है कि ऐसे अपराधियों को सजा मिले। बलात्कार कई चीजों का लक्षण है। यह हावी होने और हावी होने की इच्छा का लक्षण है, जो एक नकारात्मक मानवीय गुण है। उपरोक्त डेटा हमारे समाज के बारे में क्या बताता है? यह कि यह चरम पर स्त्री–द्वेषी हैय कि महिलाएं आनंद और उपहास दोनों की वस्तु हैंय कि प्रत्येक असंवेदनशील पुरुष यह मानता है कि वह इससे बच सकता है। यह हमारे अंतर्निहित सांस्कृतिक परिवेश से उभरता है जिसमें लड़कियों को हमारे परिवारों में दूसरा स्थान प्राप्त है। मैं उन प्रबुद्ध परिवारों की बात नहीं कर रहा हूँ जो उदार परंपराओं को अपनाते हैं। लेकिन वहाँ भी, हम कई मौकों पर भेदभाव का तत्व पाते हैं जब उन्हें समाज में एक समान भागीदार के रूप में अपने सपनों को खोजने और साकार करने की अनुमति देने की बात आती है। बाल विवाह, हालांकि अवैध है, फिर भी अभी भी बड़े पैमाने पर है। यही कारण है कि समाज में एक महिला का स्थान एक प्यार करने वाली पत्नी के रूप में पहचाना जाता है, जो देश के जीवन में भाग लेने के समान अधिकार वाली एक स्वतंत्र व्यक्तित्व के बजाय घर की सेवा करती है। लड़कियों के बड़े होने पर उनके पास बहुत कम विकल्प होते हैं, बहुत कम करियर विकल्प होते हैं। ज़्यादातर मौकों पर शादी ही एकमात्र विकल्प होता है, जहाँ साथी का चुनाव भी शायद ही कभी संभव हो पाता है। ग्रामीण इलाकों में जहाँ खेती–बाड़ी ही परिवार का मुख्य आधार है, महिलाएँ घर चलाने के लिए खेतों में काम करती हैं। उनके विकल्प बहुत सीमित हैं। कई प्रतिभाशाली युवा लड़कियाँ हैं जो अपना करियर बना सकती थीं, लेकिन शादी के बाद या तो अपनी महत्वाकांक्षाओं को पूरा नहीं कर पातीं या अपने करियर को कुछ समय के लिए रोक देती हैं और फिर, अगर संभव हो तो, अपने परिवार का पालन–पोषण करने के बाद भी इसे जारी रखती हैं। यह भी एक अपवाद है। शहरी कार्यस्थलों पर, तकनीक ने कुछ व्यवसायों में युवा महिलाओं को अपने घरों से काम करने में मदद की है, जहाँ रोजाना कार्यस्थल पर जाना जरूरी नहीं है। महामारी का एक सकारात्मक प्रभाव भी पड़ा है। खुद को बनाए रखने के लिए, व्यवसाय अपने कर्मचारियों, पुरुषों और महिलाओं दोनों को अपने–अपने निवास स्थान से काम करने के लिए आमंत्रित करते हैं। महामारी के बाद भी इस प्रथा को अपनाया गया है, जिससे लागत कम हुई है और व्यवसायों को मदद मिली है। उस संदर्भ में, तकनीक उन महिलाओं के लिए वरदान साबित हुई है जो अब घर से काम कर सकती हैं, जो कि कई व्यवसायों में उपलब्ध नहीं है। दुर्भाग्य से, बलात्कार के कई मामले कभी रिपोर्ट नहीं किए जाते हैं। परिवार बलात्कारी को पकड़ने का साहसपूर्ण कदम उठाने को तैयार नहीं हैं, क्योंकि इसके खुलासे से समाज पर बुरा असर पड़ सकता है। यह सबसे दुर्भाग्यपूर्ण है, क्योंकि एक राष्ट्र के रूप में हमें यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता है कि ऐसी घटनाओं को प्रकाश में लाया जाए और परिवारों में न्याय पाने का साहस पैदा हो। हालांकि यह सच है कि हमारे पास त्वरित सुनवाई और दोषसिद्धि के लिए प्रक्रियाएं हैं, लेकिन समस्या जितनी दिखती है, उससे कहीं अधिक जटिल है। परिवार के स्तर पर सामाजिक सुधार की आवश्यकता है। आगे बढ़ने का एकमात्र तरीका घर और कक्षा में एक मूल्य प्रणाली विकसित करना है, जो हमारी युवा लड़कियों को समाज में समान भागीदार के रूप में मान्यता देती है, उन्हें अपनी पसंद का करियर चुनने के अधिकार के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखने का अधिकार है। उन्हें यह विश्वास दिलाने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए कि वे अपनी आकांक्षाओं को साकार कर सकती हैं और उन्हें ऐसा करने का अधिकार है, और उन्हें ऐसा करने का साहस और स्वतंत्रता विकसित करनी चाहिए। बेशक, यह कहना जितना आसान है, करना उतना आसान नहीं है। इसके लिए सामाजिक दृष्टिकोण में परिवर्तनकारी बदलाव की आवश्यकता है। माता–पिता को भी इस तरह से सोचने के लिए शिक्षित करने की आवश्यकता है। हम जानते हैं कि हमारे कार्यबल में अन्य देशों की तुलना में महिलाएँ कम हैं, न केवल विकसित दुनिया में बल्कि पड़ोस में भी। इसे बदलना होगा, और बदलाव केवल पुरुष मानसिकता में बदलाव के साथ ही लाया जा सकता है, खासकर उन घरों में जो रूढ़िवाद में डूबे हुए हैं। महिलाएँ कुछ व्यवसायों में कहीं ज़्यादा कुशल हैं। ऐसे व्यवसायों की पहचान करने के लिए एक नीतिगत ढाँचा होना चाहिए जहाँ महिलाओं को शामिल किया जा सके। हम जानते हैं कि महिलाओं का सबसे बड़ा प्रतिशत स्कूल प्रणाली में है, जहाँ उनमें से अधिकांश शिक्षक हैं। बेशक, इसका एक बड़ा कारण यह है कि वे पढ़ाने के साथ–साथ अपने घरों की देखभाल करके भी कई काम कर सकती हैं। हमें उन व्यवसायों में भी रास्ते और अवसर तलाशने होंगे जहाँ महिलाएँ एक ताकत बन सकती हैं। शायद यह सही है।

मरीजों को सेवा देना डाक्टरों की सुरक्षा से अलग

विनोद

कोलकाता के आर जी कर मेडिकल कॉलेज में एक युवा महिला डॉक्टर की नृशंस हत्या, जो एक बर्बर यौन हमले के क्रूर परिणाम के रूप में हुई, ने सामाजिक शर्म के सागर में गुस्से की लहर पैदा कर दी। इस मामले की जांच अब सुप्रीम कोर्ट की निगरानी में केंद्रीय जांच ब्यूरो द्वारा की जा रही है, जिसने केंद्र और राज्य सरकारों के बीच विवाद और सीबीआई और पश्चिम बंगाल पुलिस के परस्पर विरोधी दावों के बीच मामले का स्वतः संज्ञान लिया। इस जघन्य अपराध पर आक्रोश ने डॉक्टरों द्वारा देशव्यापी हड़ताल को भी जन्म दिया। इसने कुछ आपातकालीन देखभाल को छोड़कर चिकित्सा सेवाओं को बाधित कर दिया। स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के लिए सुनिश्चित और पर्याप्त सुरक्षा की कमी के खिलाफ चिकित्सा पेशे ने एकजुट होकर विरोध किया। भारतीय चिकित्सा संघ (प्ड।) ने हर राज्य में विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया। नर्स और संबद्ध स्वास्थ्य पेशेवर न केवल एकजुटता के कारण बल्कि इसलिए भी शामिल हुए क्योंकि वे भी अक्सर क्रोधित परिचारकों या गंभीर रूप से बीमार रोगियों के परिवार और दोस्तों द्वारा दुर्व्यवहार और हमलों का शिकार होते हैं। कोलकाता में हुई भयानक त्रासदी के अलावा, स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के खिलाफ हिंसा के कई मामले सामने आए हैं – जिनमें से केवल एक अंश ही मीडिया में रिपोर्ट किया जाता है। अपराधियों का एक छोटा हिस्सा आपराधिक आरोपों का सामना करता है। इसके परिणामस्वरूप अक्सर डॉक्टरों द्वारा अचानक हड़ताल की जाती है, जिसके परिणामस्वरूप कई रोगियों को समय पर ध्यान, जांच और उपचार से वंचित किया जाता है, जबकि वे चिकित्सा कर्मियों के खिलाफ अपराध के लिए निर्दोष होते हैं। जब चिकित्सा सेवाएं निलंबित कर दी जाती हैं, तो रोगियों को होने वाली परेशानी को भारत के मुख्य न्यायाधीश ने मार्मिक रूप से व्यक्त किया। सरकार के कई आश्वासन कि स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं की सुरक्षा के साथ–साथ शारीरिक या मौखिक आक्रामकता में लिप्त अपराधियों को दंडित करने के लिए सख्त उपाय किए जाएंगे, प्रदर्शनकारियों को दृढ़ विश्वास नहीं दिला पाए। हालांकि, सीजेआई ने हड़ताली डॉक्टरों की अंतरात्मा से भावनात्मक रूप से अपील की कि डॉक्टर और न्यायाधीश हड़ताल पर नहीं जा सकते क्योंकि उनका काम ष्जीवन और स्वतंत्रता के मामलेष से जुड़ा है। अदालत ने बताया कि अगर सार्वजनिक अस्पतालों में सेवाएं उपलब्ध नहीं हैं, तो जिन लोगों को उनकी सबसे अधिक आवश्यकता है, वे प्रभावित होंगे। 17 अगस्त को, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने डॉक्टरों के खिलाफ हिंसा को रोकने और दंडित करने के उपायों की सिफारिश करने के लिए एक समिति के गठन की घोषणा की। हालांकि, समिति की संरचना का खुलासा नहीं किया गया था, न ही घोषणा के बाद कोई अधिसूचना जारी की गई थी। इसके तुरंत बाद सीजेआई द्वारा न्यायिक हस्तक्षेप किया गया। कोलकाता मामले पर जब सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई की, तो 10 प्रतिष्ठित डॉक्टरों और चार उच्च पदस्थ पदेन सदस्यों वाली एक राष्ट्रीय टास्क फोर्स की घोषणा की गई। NTF में ज्यादातर महानगरों के हाई–प्रोफाइल संस्थानों से लिए गए प्रतिष्ठित विशेषज्ञ डॉक्टर हैं, लेकिन यह जिला अस्पतालों और दूरदराज के मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टरों को आवाज नहीं देता, जहाँ अक्सर गुस्साई भीड़ द्वारा स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं पर हिंसा की जाती है। अपने पास कम समय होने के बावजूद, छज्थ् को विभिन्न स्तरों और सेटिंग्स पर चुनौतियों की पहचान करने के लिए अखिल भारतीय दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्हें नैदानिक घ्देखभाल संस्थानों और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रमों में काम करने वाले सभी श्रेणियों के कर्मियों की सुरक्षा और गरिमा पर भी विचार करना चाहिए। स्वास्थ्य मंत्रालय की घोषणा और सुप्रीम कोर्ट द्वारा समिति के गठन के बीच कम अंतराल को देखते हुए, यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार

की सिफारिशें छज्थ् में परिलक्षित हुईं या उन्हें भेजा गया। किसी भी मामले में, शीर्ष अदालत का हस्तक्षेप प्रभावशाली था क्योंकि इसके अधिकार और इरादों ने डॉक्टरों के बीच सरकार के अस्पष्ट आश्वासनों की तुलना में अधिक विश्वास पैदा किया। ब्श्रप् एक चमकदार न्यायिक कवच के रूप में उभरे। स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं के बीच हाल ही में बढ़ी नाराजगी को सर्वोच्च न्यायालय के संवेदनशील दृष्टिकोण और समस्या–समाधान कौशल ने कम कर दिया है, लेकिन अगर हमें उचित और स्थायी समाधान खोजने हैं तो स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं द्वारा अक्सर अनुभव किए जाने वाले सार्वजनिक कदाचार और भयावह असुरक्षा के कारणों की पहचान करके उन्हें दूर करने की आवश्यकता है। इसके कारण प्रणालीगत कमियों और संरचनात्मक दोषों से लेकर संचार कौशल की कमी जैसी व्यक्तिगत कमियों तक भिन्न–भिन्न हैं।

निवेशकों की सुरक्षा करें, बाजारों की अखंडता बनाए रखें

ललित

श्रीधर रेड्डी द्वारा अदानी समूह से जुड़ी खबरों और हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा लगाए गए आरोपों ने न केवल कॉर्पोरेट प्रशासन के बारे में बल्कि हमारी वित्तीय विनियामक प्रणाली की अखंडता के बारे में भी महत्वपूर्ण चिंताएँ पैदा की हैं। जब मैं इन घटनाओं को देखता हूँ, तो मुझे बेचैनी का एहसास होता है क्योंकि मैं उन निवेशकों के लिए निहितार्थों पर विचार करता हूँ जिनकी मेहनत की कमाई दांव पर लगी है। अठारह महीने पहले, हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदानी समूह के भीतर धोखाधड़ी की गतिविधियों का आरोप लगाते हुए एक रिपोर्ट प्रकाशित की, जिसके कारण अदानी के शेयरों में भारी गिरावट आई। इस गिरावट ने न केवल संस्थागत निवेशकों को बल्कि उन व्यक्तिगत शेयरधारकों को भी प्रभावित किया, जिन्होंने इन कंपनियों पर अपना पैसा लगाया है। जबकि अदानी समूह ने इन आरोपों का दृढ़ता से खंडन किया, लेकिन इसके प्रभाव पूरे बाजार और कई निवेशकों के दिलों में महसूस किए गए। हिंडनबर्ग रिटर्न अब जब हिंडनबर्ग रिटर्न ने भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष पर अदानी से जुड़े फंड के साथ उनके संबंधों के कारण हितों के टकराव का आरोप लगाया है, तो मैं हमारी विनियामक निगरानी की पर्याप्तता पर सवाल उठाने के लिए बाध्य हूँ। क्या हम इस बात पर भरोसा कर सकते हैं कि भारतीय निवेशकों की सुरक्षा के लिए बनाया गया निकाय हमारे सर्वोत्तम हित में काम कर रहा है? क्या किसी नियामक प्रमुख के लिए ऐसे संबंध रखना स्वीकार्य है जो संभावित रूप से निष्पक्षता से समझौता कर सकते हैं? मैं घरेलू और विदेशी निवेशकों को भेजे जाने वाले संदेश के बारे में चिंतित हूंरू क्या हम पारदर्शिता का माहौल बना रहे हैं, या हम भ्रम और अविश्वास का माहौल बना रहे हैं? जब ऐसे गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ता है, तो हम सेबी और सरकार से त्वरित और संतोषजनक प्रतिक्रिया की उम्मीद करते हैं। मेरे विचार से लंबे समय तक अनिश्चितता आम नागरिकों में चिंता पैदा करती है जो अपने वित्तीय भविष्य को लेकर चिंतित रहते हैं। इस उथल–पुथल का सामना कर रहे निवेशकों को क्या आश्वासन दिया जा सकता है? पैसा महज एक वस्तु नहीं हैय यह असंख्य व्यक्तियों की आशाओं, आकांक्षाओं और सुरक्षा का प्रतिनिधित्व करता है। वित्तीय नुकसान का डर वास्तविक और मूर्त है। यह आवश्यक है कि सरकार निवेशकों के विश्वास को प्राथमिकता दे और इन घटनाओं के कारण होने वाली किसी भी गलत सूचना या कुप्रबंधन को सुधारने के लिए ठोस प्रयास करे। उदासीन सरकार अब, मैं खुद को यह सवाल करते हुए पाता हूं कि केंद्र सरकार वास्तव में इस मामले में क्या कर रही है। स्थिति गंभीर होती दिख रही है, फिर भी सरकार कोई निर्णायक कदम नहीं उठा रही है। उन्हें हिंडनबर्ग रिपोर्ट की गहन जांच करनी चाहिए और उल्लिखित कंपनियों के साथ–साथ सेबी की भी जांच करनी चाहिए। यदि आरोप निराधार हैं, तो हमें उन शॉर्ट सेलर्स के खिलाफ कदम उठाना चाहिए जो हमारी बाजार अखंडता को कमजोर करने का प्रयास करते हैं। भारत को विदेशी संस्थानों की ऐसी चालों के लिए आसान लक्ष्य के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। जब आम जनता प्रभावित हो रही है, तो सरकार चुप क्यों है? निष्क्रियता का यह पैटर्न चिंताजनक है। इसके अलावा, जब हम सेबी के नेतृत्व का आकलन करते हैं, तो हमें सवाल करना चाहिए कि सरकार ऐसे व्यक्तियों को क्यों नियुक्त करती है जिनकी निष्पक्षता संदेह में है। क्या निवेशकों के हितों की रक्षा के लिए कोई योग्य उम्मीदवार नहीं हैं? जनता की निराशा के बावजूद भी सरकार विभिन्न बोर्डों में सही लोगों को नियुक्त करने में बार–बार विफल क्यों हो रही है? नियुक्तियों में चल रहा पक्षपात हमारे नियामक निकायों की अखंडता के बारे में गंभीर चिंताएँ पैदा करता है, एक समस्या जो कई विभागों तक फैली हुई है।

आर्मेनिया और अजरबैजान संघर्ष सभ्यतागत

संजय

काकेशस क्षेत्र पूर्वी यूरोप में काला सागर और कैस्पियन सागर के किनारे बसा एक विशाल क्षेत्र है। इसमें दक्षिणी रूस और जॉर्जिया, आर्मेनिया और अजरबैजान के स्वतंत्र राष्ट्र शामिल हैं – ये सभी तत्कालीन सोवियत समाजवादी गणराज्य संघ के हिस्से हैं। जबकि भौतिक रूप से यह क्षेत्र यूरोप, एशिया, रूस और मध्य पूर्व के बीच स्थित है, जातीय–धार्मिक रूप से यह सीमा रेखा पर है जहाँ इस्लाम और ईसाई धर्म का टकराव होता है। सैद्धांतिक रूप से, यह वह सीमा है जहाँ बहुत अधिक परिपूर्ण लोकतंत्र शुद्ध अधिनायकवाद से टकराता है। आर्मेनिया में ईसाई धर्म के अनुयायी अधिक हैं, जहाँ 97 प्रतिशत लोग अर्मेनियाई प्रेरितिक धर्म का पालन करते हैं, जो पहली शताब्दी ई. में स्थापित सबसे पुराने ईसाई चर्चों में से एक है। दूसरी ओर, अजरबैजान में 90.6 प्रतिशत मुस्लिम हैं, जहाँ 65 प्रतिशत लोग शिया इस्लाम का पालन करते हैं और बाकी लोग संप्रदायिक रूप से सुन्नी हैं। जॉर्जिया का चार–पाँचवाँ हिस्सा भी आस्था से रूढ़िवादी ईसाई है। सदियों से, नागोर्नो–करबाख क्षेत्र रूढ़िवादी ईसाई रूसी साम्राज्य, सुन्नी ओटोमन साम्राज्य और शिया ईरानी साम्राज्य द्वारा प्रतिनिधित्व की जाने वाली तीन प्रमुख सभ्यतागत उपभेदों के बीच एक सीमा के रूप में कार्य करता रहा है। इसलिए, यह क्षेत्र एक जातीय अर्मेनियाई परिक्षेत्र है, जो सदियों से विवाद का केंद्र बिंदु रहा है। इस प्रकार नागोर्नो–करबाख को लेकर आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच मतभेद इतिहास में गहराई से समाया हुआ है। 1805 में, यह क्षेत्र कुरेकचाय की संधि के तत्वावधान में निर्णायक रूप से रूसी साम्राज्य का हिस्सा बन गया। 1917 में रूसी साम्राज्य के पतन और उसके बाद के राष्ट्रवादी आंदोलनों ने इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्र पर हिंसक झड़पों को जन्म दिया। तत्कालीन रूस में बोल्शेविक क्रांति के दौरान, इसने स्वतंत्रता की घोषणा करने का प्रयास किया, लेकिन लाल सेना द्वारा कब्जा कर लिया गया और सोवियत समाजवादी गणराज्यों के नवगठित संघ में एकीकृत हो गया। सोवियत काल के दौरान, नागोर्नो–करबाख को आधिकारिक तौर पर अजरबैजान सोवियत समाजवादी गणराज्य के भीतर एक स्वायत्त ओब्लास्ट के रूप में नामित किया गया था, जिसमें मुख्य रूप से अर्मेनियाई आबादी के बावजूद उचित मात्रा में क्षेत्रीय स्वायत्तता थी। इस प्रशासनिक निर्णय ने अर्मेनियाई बहुसंख्यकों को राजनीतिक रूप से हाशिए पर महसूस कराकर भविष्य में कलह के बीज बो दिए। हालाँकि सोवियत शासन के तहत तनाव को कुछ हद तक नियंत्रित किया गया था, लेकिन वे कभी पूरी तरह से समाप्त नहीं हुए। सोवियत संघ के विघटन के बाद, जब आर्मेनिया और अजरबैजान ने स्वतंत्रता की घोषणा की, तो नागोर्नो–करबाख की स्थिति एक बार फिर से विवाद का विषय बन गई। 1988 में, नागोर्नो–करबाख की क्षेत्रीय परिषद ने आर्मेनिया के साथ एकजुट होने के लिए मतदान किया, जिससे हिंसक झड़पें भड़क उठीं और एक पूर्ण पैमाने पर युद्ध हुआ जो 1991 से 1994 तक चला। युद्ध एक युद्धविराम के साथ समाप्त हुआ जिसने आर्मेनिया को नागोर्नो–करबाख पर नियंत्रण दिया। हाल के घटनाक्रमरू सितंबर 2023 में नागोर्नो–करबाख क्षेत्र में वृद्धि ने एक बार फिर से जमे हुए आर्मेनिया–अजरबैजान संघर्ष को एक नए विनाशकारी चरण में धकेल दिया। दिसंबर 2022 में अजरबैजान द्वारा लाचिन कॉरिडोर को बाधित करने से संकट की शुरुआत हुई, जो आर्मेनिया को इस क्षेत्र से जोड़ने वाली एकमात्र सड़क है। नाकाबंदी के कारण नागोर्नो–कराबाख में आवश्यक आपूर्ति की भारी कमी हो गई। अजरबैजान ने स्पष्ट रूप से नाकाबंदी को तर्कसंगत बनाने का प्रयास किया और आर्मेनिया पर सैन्य आपूर्ति के परिवहन के लिए कॉरिडोर का उपयोग करने का आरोप लगाया, एक ऐसा दावा जिसे आर्मेनिया ने नकार दिया। रूसी शांति सैनिकों की कम उपस्थिति से स्थिति और भी खराब हो गई, क्योंकि मॉस्को का ध्यान यूक्रेन के साथ अपने संघर्ष पर चला गया। 19 सितंबर, 2023 को स्थिति एक महत्वपूर्ण मोड़ पर पहुंच गई, जब अजरबैजानी सेना ने एक आक्रामक अभियान शुरू किया। इस कार्रवाई का समापन अर्मेनियाई–बहुल नागोर्नो–कराबाख पर अजरबैजान के कब्जे में हुआ, जिसने इसकी 30 साल की वास्तविक स्वतंत्रता को समाप्त कर दिया और एक सप्ताह के भीतर 100,000 से अधिक जातीय अर्मेनियाई लोगों के सामूहिक पलायन को गति दी। एक बार ष्जमे हुएष विवाद के रूप में माना जाने वाला यह संघर्ष अब महत्वपूर्ण स्थानीय, क्षेत्रीय और वैश्विक निहितार्थों के साथ नए सिरे से अंतरराष्ट्रीय ध्यान आकर्षित कर रहा है। क्षेत्रीय और वैश्विक भागीदारीरू अर्मेनिया–अजरबैजान संघर्ष ने क्षेत्रीय और वैश्विक शक्तियों से महत्वपूर्ण भागीदारी प्राप्त की है, जिनमें से प्रत्येक के अपने रणनीतिक हित हैं। अजरबैजान के कट्टर सहयोगी तुर्की ने सैन्य सहायता और राजनीतिक समर्थन प्रदान करके एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसमें उन्नत हथियार और ड्रोन की आपूर्ति, अजरबैजान की आक्रामक क्षमताओं को बढ़ाना शामिल है। तुर्की की भागीदारी दक्षिण काकेशस में प्रभाव स्थापित करने और अर्मेनियाई प्रभाव का मुकाबला करने में इसके रणनीतिक हितों के साथ संरेखित है। रूस, जो पारंपरिक रूप से इस क्षेत्र में एक संतुलनकारी शक्ति है, अर्मेनिया और अजरबैजान दोनों के साथ एक जटिल संबंध बनाए रखता है। सामूहिक सुरक्षा संधि संगठन के सदस्य के रूप में, रूस का अर्मेनिया के साथ पारस्परिक रक्षा दायित्व है, लेकिन यह अजरबैजान के साथ महत्वपूर्ण आर्थिक और सैन्य सहयोग में भी संलग्न है। यह दोहरा दृष्टिकोण रूस को काकेशस में अपने रणनीतिक हितों की रक्षा करते हुए दोनों देशों पर लाभ बनाए रखने की अनुमति देता है। ईरान, जो दोनों देशों के साथ सीमा साझा करता है, ने एक सतर्क रुख अपनाया है, जबकि एक शांतिपूर्ण समाधान की वकालत की है। संघर्ष के अपने क्षेत्रीय सुरक्षा और अपने महत्वपूर्ण अजेरी अल्पसंख्यक आबादी पर प्रभाव के बारे में चिंतित हैं। ईरान की भागीदारी मुख्य रूप से कूटनीतिक प्रयासों के माध्यम से हुई है जिसका उद्देश्य बाहरी शक्तियों को संघर्ष को बढ़ाने से रोकना और तनाव को कम करना है। अजरबैजान ने चीन के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को गहरा किया है, जॉर्जिया के बाद दक्षिण काकेशस में इसका दूसरा भागीदार बन गया है।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय में सर्वोच्च अंक वाले विद्यार्थियों की अंतिम सूची अपलोड

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के 28 वें दीक्षा समारोह की तैयारियों के तहत विश्वविद्यालय प्रशासन ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक पाने वाले विद्यार्थियों की अंतिम सूची बेबसाइट पर अपलोड कर दी है। इस सूची में विश्वविद्यालय परिसर और संबद्ध महाविद्यालयों में स्नातक ,स्नातकोत्तर और सेमेस्टर परीक्षाओं के विभिन्न विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र – छात्राओं के नाम शामिल है। इस संबंध में बुधवार को बात करते हुए परीक्षा नियंत्रक डॉ विनोद कुमार

सिंह ने बताया कि यदि किसी छात्र – छात्राओं को सूची में किसी प्रकार की आपत्ति हो तो वह 30 अगस्त की शाम 5 बजे तक परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में या ईमेल के माध्यम से साक्ष्य और प्रमाण के साथ प्रत्यावेदन प्रस्तुत करें। 30 अगस्त के बाद प्राप्त आपत्तियों पर कोई विचार नही किया जाएगा। बताया कि दीक्षा समारोह में पुरस्कार वितरण और स्वर्ण पदक प्रदान करने के लिए यह सूची अत्यधिक महत्वपूर्ण है। विश्वविद्यालय की ओर से यह सुनिश्चित किया गया है। कि केवल सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले योग्य छात्र – छात्राओं को ही स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। जिससे उनकी मेहनत और योग्यता का उचित सम्मान हो सकें। छात्र – छात्राओं को अपनी आपत्तियों साक्ष्यों के साथ प्रस्तुत करने का अवसर दिया गया है। ताकि किसी भी त्रुटि या अनियमितता को सही किया जा सकें।

डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक से मिले व्यापारी नेता श्रवण जायसवाल

जौनपुर। सिकरारा थाना के खपरहां बाजार के व्यापारी कुंवर चन्द्र गुप्ता के ऊपर हुये जानलेवा हमला और 50 लाख रूपये की रंगदारी के विरोध में व्यापारी नेता श्रवण जायसवाल की अगुवाई में व्यापारियों का एक दल सूबे के उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक से मिलकर ज्ञापन दिया। इस मौके पर व्यापारी नेता श्रवण जायसवाल ने जनपद में सिलसिलेवार आपराधिक घटना का वर्णन करते हुये कहा कि व्यापारी कुंवर चन्द्र गुप्ता के साथ हुई घटना को हुए लगभग एक महीने हो गये। जनपद जौनपुर की पुलिस चीर निद्रा में सोई हुई है। अतरू उक्त घटना की जांच एसटीएफ से कराई जाए। ताकि व्यापारियों में कानून में विश्वास कायम रह सके। हम व्यापारी को न्याय दिलाने के लिये कोई भी कोरकृ कसर बाकी नहीं रखेंगे। अगर पुलिस प्रशासन इस पर ध्यान नहीं दिया तो व्यापारी समूह आन्दोलन का रास्ता अपनाते हुये बड़ा निर्णय ले सकता है जिसकी पूरी जिम्मेदारी पुलिस प्रशासन और सरकार की होगी। व्यापारियों के साथ हो रहे अत्याचार लूट की अपराधी घटनाओं को लेकर व्यापारी नेता ने चिन्ता जताते हुये कहा कि व्यापारियों के साथ जितनी भी घटनाएं हो रही हैं, इसके लिये पुलिस ही जिम्मेदार है। व्यापारियों की व्यथा सुनकर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने आश्वासन दिया कि मुख्यमंत्री जी से बैठकर इस विषय पर बात करेंगे और व्यापारियों के इस अपील को मुख्यमंत्री जी तक पहुंचाने तथा इसको परिणाम में तब्दील करने का पूरा प्रयास करेंगे। इस अवसर पर अमर चन्द्र गुप्ता, विजय चन्द्र गुप्ता, मनीष गुप्ता, राजा साहू सहित तमाम व्यापारी मौजूद रहे।

पुलिस ने 25 हजार रुपये का इनामिया गौतस्कर को किया गिरफ्तार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जलालपुर थाना अंतर्गत पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर बुधवार को 25 हजार रुपए के इनामिया गौ तस्कर राम बाबू को गिरफ्तार करते हुए जेल भेज दिया है। इस मामले में जानकारी देते हुए क्षेत्राधिकार केराकत अजीत कुमार रजक ने बताया कि डॉ अजय पाल शर्मा, पुलिस अधीक्षक द्वारा अपराधि ायों एवं वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के क्रम

में अपर पुलिस अधीक्षक नगर बृजेश कुमार के नेतृत्व में थानाध्यक्ष जलालपुर मनोज कुमार सिंह के नेतृत्व में थाना जलालपुर पुलिस टीम द्वारा 3ध्5ए8 गोवध अधिनियम व 11 पशु क्रूरता अधिनियम थाना जलालपुर जौनपुर से सम्बन्धित 25 हजार रुपये का इनामिया वांछित अभियुक्त रामबाबू (20)।

पुत्र रामजग यादव निवासी ग्राम भटौली थाना इनायतनगर जनपद अयोध्या को मुखबिरी सूचना के आधार पर थाना क्षेत्र के गोपीपुर पुलिया से गिरफ्तार किया गया अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है।

विश्व हिन्दू परिषद् का गठन जातिवादी व्यवस्था के समूल नाश के लिए किया गया है - मिलिंद श्रीकांत परांडे

हरदोई/लखनऊ (अंबरीष कुमार सक्सेना) विश्व हिन्दू परिषद् के अवध प्रान्त के प्रन्यासी श्री अजय दीप सिंह (सेवा निवृत आईएएस) के

कृष्णा नगर आवास पर एक महत्वपूर्ण गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में विश्व हिन्दू परिषद् के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद श्रीकांत परांडे में बताया कि विश्व हिन्दू परिषद् का गठन मुख्यतः हिन्दू समाज को संगठित और मजबूत करने, धर्म की सेवा और सुरक्षा करने, हिन्दू मंदिरों के निर्माण और जीर्णोद्धार, धर्म परिवर्तन को रोकने, गौ हत्या को रोकने और जातिवादी व्यवस्था के समूल नाश के लिए किया गया है। श्री परांडे द्वारा विश्व हिन्दू परिषद् के भिभिन्न आयामों एवं प्रकल्पों के सम्भन्ध में जानकारी दी साथ ही विश्व हिन्दू परिषद् की भावी योजनाओं पर भी विचार व्यक्त किये। बैठक में विशेष रूप से चर्चा की गई कि अन्य देशों में हिन्दू जनसंख्या की स्थिति क्या है, और भविष्य में बांग्लादेश जैसी घटनाओं से बचने के लिए क्या उपाय किए जा सकते हैं। इसके साथ ही, ग्रामीण क्षेत्रों में गोवंश से कृषि में होने वाली हानि को कैसे रोका जाए, इस पर भी विस्तृत विचार–विमर्श हुआ। सीनियर सेवा निवृत आईएएस अधिकारी अजय दीप सिंह ने विश्व हिन्दू परिषद् में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने पर जोर दिया और इसके महत्व को रेखांकित किया। इस गोष्ठी में विश्व हिन्दू परिषद् के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री मिलिंद श्रीकांत परांडे, क्षेत्रीय संघठन मंत्री गजेन्द्र, लखनऊ विहिप कार्यालय प्रमुख संतोष कुमार , अवध प्रान्त मंत्री देवेंद्र मिश्र, भारतीय विदेश सेवा के डॉ. अजय चौधरी, नरेन्द्र शंकर पाण्डेय(सेवा निवृत आईएएस) भारतीय वन सेवा के महेंद्र सिंह जी, और अन्य प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति रही। गोष्ठी में उपस्थित अन्य प्रमुख व्यक्तियों में दिनेश चंद (विशेष सचिव सेवा निवृत), धर्मेन्द्र पाल सिंह (रीजनल मेनेजर, आर्याव्रत ग्रामीण बैंक, सेवा निवृत), सुधीर सिंह (समाजसेवी), श्री कृष्णा अवतार गुप्ता (गायत्री परिवार प्रचारक), श्री कृष्ण कुमार तिवारी (राष्ट्रीय प्रवक्ता सनातन संघ), और ए के सक्सेना (सेवानिवृत खंड विकास अधिकारी) गोष्ठी में प्रमुख रूप से सेवा निवृत आईएएस अधिकारी अजय दीप सिंह ने सभी विश्व हिन्दू परिषद् के प्रदेश स्तरीय पदाधिकारियों का माल्यार्पण और शाल पहनाकर स्वागत किया। इसके साथ ही, मिलिंद श्रीकांत परांडे को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। बैठक समाप्ति से पूर्व उ.प्र नॉन ओलिंपिक एसोसिएशन के जनरल सेक्रेट्री एवं उच्च न्यायालय के अधिवक्ता ए.के सक्सेना ने विश्व हिन्दू परिषद् के राष्ट्रीय महामंत्री मिलिंद परांडे को प्राचीन संतन व् स्वदेशी खेलों पर "भारतीय खेल" पुस्तक भेंट की। इस अवसर पर शिव सत्संग मंडल के लखनऊ के अध्यक्ष राजेश कुमार पाण्डेय ने अपनी स्व लिखित पुस्तक "वैदिक अनुनय" भेंट करते हुए कहा कि सदग्रंथ अध्ययन हमारी प्राथमिकता बने।

ग्रंथों का अध्ययन वैचारिक नावीन्यता के साथ–साथ उत्साह,उमंग, सही जीवन दृष्टि और लक्ष्य की संप्राप्ति में सहायक है।अतः आत्म सामर्थ्य के जागरण और जीवन में दिव्यता के प्रकाशन निमित्त सदग्रंथों की ओर लौटें। सत्संग,सेवा, सुमिरन और स्वाध्याय से समग्र जीवन को सफल और सार्थक बनाएं। यह बैठक हिन्दू समाज की एकता और सुरक्षा के लिए निरंतर प्रयासरत विश्व हिन्दू परिषद् के संकल्प को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

फीनिक्स यूनाइटेड लखनऊ में किड्स जन्माष्टमी उत्सव की मची धूम

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। फीनिक्स यूनाइटेड मॉल में आयोजित किड्स जन्माष्टमी उत्सव ने बच्चों और उनके परिवारों को भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की भव्यता का अनुभव कराया। इस उत्सव में बच्चों के लिए विशेष गतिविधियों का आयोजन किया गया, जो उनकी रचनात्मकता और प्रतिभा को उजागर करने का एक सुनहरा अवसर था। उत्सव की मुख्य आकर्षण डीआईवाई क्राफ्ट मेकिंग एक्टिविटी रही, जिसमें बच्चों ने रंग–बिरंगे और मनोरंजक श्रीकृष्ण से प्रेरित क्राफ्ट बनाए। इसके अलावा, डांस परफॉर्मेंस ने भी बच्चों का उत्साह बढ़ाया, जहां उन्होंने त्योहार के अनुरूप भक्ति संगीत की धुनों पर जमकर नृत्य किया। इस अवसर पर ड्रेस अप कॉन्टेस्ट का आयोजन भी हुआ, जिसमें बच्चों ने भगवान श्रीकृष्ण की तरह सजकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। विजेताओं को मुफ्त फूड कॉम्बो का इनाम दिया गया, जिससे बच्चों और उनके माता–पिता में चेहरों पर प्रसन्नता नजर आई। इस आयोजन पर बात करते हुए, फीनिक्स मिल्स के सीनियर सेंटर डायरेक्टर श्री संजीव सरीन ने कहा, हमारा उद्देश्य था बच्चों और परिवारों को एक ऐसा मंच प्रदान करना, जहां वे त्योहार की खुशी और संस्कृति को नजदीक से महसूस कर सकें। फीनिक्स यूनाइटेड में हम हमेशा ऐसे उत्सवों का आयोजन करते हैं, जो हमारी संस्कृति और परंपराओं को जीवंत बनाए रखें।

नवीन मिश्रा को बल्दीराय ब्लाक का एपीओ नियुक्त किया गया'

सुलतानपुर– सीडीओ अंकुर कौशिक से बल्दीराय में बीडीओ प्रभार पर तैनात वैशाली (आईएएस) ने विकास खण्ड बल्दीराय में अतिरिक्त कार्यकम अधिकारी के पद पर तैनात स्मिता सिंह द्वारा मनरेगा योजनान्तर्गत अपने पदीय दायित्वोंध्कर्तव्यों का समुचित ढंग से निर्वहन नहीं करने की शिकायत की है। उन्होंने कहा है कि शासनादेश के अनुरूप मनरेगा योजनान्तर्गत अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी के जॉब चार्ट का निर्धारण किया गया है परन्तु जॉब चार्ट में निध ारित दायित्वों के प्रति स्मिता सिंह अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी लापरवाह एवं उदासीन है,जिस कारण मनरेगा योजना सम्बन्धित विभिन्न समीक्षा बिन्दुओं पर विकास खण्ड की प्रगति अपेक्षा के अनुरूप नहीं है। उन्होंने शिकायती पत्र में लिखा है स्पष्ट है कि स्मिता सिंह अतिरिक्त कार्यकम अधिकारी के द्वारा उच्चाधिकारियों के आदेशों का उल्लघंन किया जा रहा है तथा इनका व्यवहार शिष्टाचार के अनुरूप भी नहीं है, जो कि कार्यालय में नकारात्मक प्रभाव डाल रहा है। उनकी अनुशासनहीनता व लापरवाही के कारण विकास खण्ड में मनरेगा योजना पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।

बीडीओ बल्दीराय वैशाली (आईएएस) ने सीडीओ अंकुर कौशिक से अनुरोध है कि स्मिता सिंह अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी मनरेगा के स्थान पर किसी अन्य योग्य अतिरिक्त कार्यक्रम अधिकारी को नियुक्त करने की मांग की। उन्होंने कहा है

कि जिससे शासन की महत्वाकांक्षी मनरेगा योजना का सुचारू संचालन एवं समीक्षा बिन्दुओं पर प्रगति सुनिश्चित करायी जा सकें। सीडीओ ने मामले को संज्ञान में लेते हुए नवीन मिश्रा को बल्दीराय ब्लाक का एपीओ नियुक्त किया। एपीओ स्मिता सिंह पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए लंभुआ ब्लाक में तैनात किया है।

रफ्तार का कहर, बोलेरो ने मासूम को रौंदा मौत

सुल्तानपुर। अनियंत्रित बोलोरो ने मासूम छात्रा को रौंदा, मौके पर हुई दर्दनाक मौत। मृतक की पहचान अलीसा उमम (6)वर्ष पुत्री शाकिर अली अंसारी निवासी इब्राहीमपुर चौकी वलीपुर के रूप में हुई।घटना के बाद चालाक मौके से बोलोरो छोड़कर हुआ फरार। परिजनों में मचा कोहराम।सूचना पर पहुँची स्थानीय पुलिस,बोलोरो गाड़ी यूपी 65 बीपी 5677 को कब्जे में लेकर जांच पड़ताल में जुटी।बल्दीराय थाना क्षेत्र के हलियापुर–कुड़वार मार्ग के प्रधान रेस्टोरेंट इब्राहीमपुर के पास का मामला।

चौक में दिन दहाड़े तमंचा के बल पर लूट

सुल्तानपुर– दिनदहाड़े चौक घंटाघर के सर्राफा कारोबारी की दुकान पर असलहे के बल पर डकैती। तमंचा के बल पर लाखों के जेवर लेकर बदमाशों के फरार होने की सूचना। नगर कोतवाली के चौक घंटाघर अंतर्गत भरत जी सर्राफा की दुकान का मामला। एसपी के निर्देश पर पहुंचे सीओ सिटी शिवम मिश्रा और नगर कोतवाली ए.के द्विवेदी। एसपी सोमेन बर्मा बोले,सीओ सिटी से मांगी गई जांच आख्या। जल्द किया जाएगा मामले का पर्दाफाश।

शिक्षिका के स्थानांतरण पर दी गई भाव भीनी विदाई, स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मान

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' कस्बे के सेठ बाबूराम भारतीय इण्टर कालेज की संस्कृत विषय की सहायक अध्यापिका प्रीति देवी का जनपद शाहजहांपुर के जनता इण्टर कालेज में स्थानांतरण हो जाने से बुधवार को कालेज के प्रध ाानाचार्य डॉ वेदप्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में अंग्रेजी शिक्षक सोनू कुमार के कुशल संचालन में विद्यालय में लगभग 30 माह तक सेवा देने वाली प्रीति देवी का स्थानांतरण शाहजहांपुर हो जाने पर विदाई समारोह का आयोजन कर भावपूर्ण विदाई दी गई। इस दौरान स्थानांतरित शिक्षिका प्रीति देवी का माल्यार्पण,स्मृति चिन्ह व शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में उनके कार्यों व योगदान की सराहना की गई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि विदाई या जादुई शब्द बड़ा ही मार्मिक होता है। लेकिन परंपरा हर किसी को निभानी पड़ती है। वहीं वक्ताओं ने शिक्षिका प्रीति देवी के कार्य एवं व्यवहार की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका जैसा नाम है वैसे ही उनके अंदर गुण विद्यमान हैं। साथ ही मानवीय संवेदनाओं से परिपूर्ण अति शालीन बच्चों के दिलों पर राज करने एवं उनके शैक्षिक भावों को भली भांति परखने की क्षमता एवं शिक्षकों के प्रति सहयोग की भावना रखने वाली शिक्षिका प्रीति देवी को समस्त स्टॉफ की ओर से स्वस्थ रहने एवं लम्बी आयु की कामना के साथ उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। कालेज के प्रधानाचार्य जी ने कहा कि प्रीति देवी एक ईमानदार समय का पालन करने वाली एवं कर्तव्यनिष्ठ शिक्षिका हैं ये बच्चों के साथ हमेशा घुलमिल कर अध्यापन कार्य करती हैं।इनकी कमी विद्यालय को हमेशा खलेगी। इस अवसर पर प्रधान लिपिक अम्बरीष कुमार भदौरिया ने कहा कि सरकारी नौकरी में स्थानांतरण होना सेवानिवृत्त होना एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।कहा कि प्रीति देवी ने अपने अल्प सेवाकालीन समय में बच्चों के साथ मित्रवत व्यवहार करते हुये उत्तम शिक्षा प्रदान कर एक मिसाल कायम की है। उन्होंने सभी छात्रध्छात्राओं के साथ बिना भेदभाव कर अध्यापन कार्य किया। विदाई समारोह के मौके पर प्रधानाचार्य सहित सभी वक्ताओं ने अपने –अपने विचारों को रखते हुए एवं उनके शैक्षिक कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें बहुत–बहुत बधाई दी।

श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में नये सत्र का शुभारम्भ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन में आज नये प्रवेशित छात्रों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इसका उद्देश्य नव प्रवेशित छात्रों का स्वागत करना और उन्हें कैंपस की गतिविधियों से अवगत कराना था, ताकि वे अपनी शैक्षणिक यात्रा की शुरुआत में आवश्यक जानकारी, संसाधन और समर्थन प्राप्त कर सकें। ओरिएंटेशन प्रोग्राम का उद्घाटन समारोह दीप प्रजुयलित कर सरस्वती माता को माला अर्पण के साथ हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि प्रो. एन.एम.पी. वर्मा, कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय, विशिष्ट अतिथि प्रो. मनुका खन्ना, प्रो–वाइस चांसलर, लखनऊ विश्वविद्यालय, प्रो. डी.के. अवस्थी, डॉ. ज्योति सिंह, निदेशक, श्री शारदा समूह संस्थान और प्रो. विवेक मिश्रा, संस्थापक डीन, श्री शारदा समूह संस्थान ने सरस्वती पूजा कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्रो. एन.एम.पी. वर्मा, कुलपति, बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय ने छात्रों को सही रास्ता चुनने के बारे में आत्मविश्वास दिया और कई उद्धरणों के माध्यम से छात्रों को प्रेरित किया। वहीं, प्रो. मनुका खन्ना, प्रो–वाइस चांसलर, लखनऊ विश्वविद्यालय ने विश्वविद्यालय के दिशानिर्देशों की महत्वपूर्ण जानकारी दी और बताया कि छात्र अपने जीवन के लक्ष्यों को

कैसे प्राप्त कर सकते हैं। प्रो. डी.के. अवस्थी ने कैरियर के दृष्टिकोण और छात्र जीवन में अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों के महत्व पर चर्चा की। डॉ. ज्योति सिंह, निदेशक, एसएसजीआई ने बताया कि कैसे छात्रों को शिक्षा जगत नयी नीतियों पर काम करना चाहिए और जीवन की सही राह चुनने के लिए प्रेरित किया।

वही प्रो. विवेक मिश्रा, डीन, एसएसजीआई ने कहा, ध्ओरिएंटेशन प्रोग्राम छात्रों को कॉलेज जीवन में स्थानांतरित करने में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम अपने छात्रों का शैक्षणिक और व्यक्तिगत रूप से समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं क्योंकि वे इस नए अध्याय की शुरुआत कर रहे हैं। कार्यक्रम के दौरान, छात्रों ने विभिन्न इंटरैक्टिव सत्रों में भाग लिया, जिनमें शैक्षणिक अपेक्षाओं, समय प्रबंधन, और कैंपस जीवन पर कार्यशालाएँ शामिल थीं। संकाय सदस्यों ने छात्रों को पाठ्यक्रम, ग्रेडिंग नीतियों, और उनकी शैक्षणिक सफलता सुनिश्चित करने के लिए उपलब्ध सहायता सेवाओं से परिचित कराया। कार्यक्रम में व्यक्तिगत विकास, करियर योजना और अतिरिक्त पाठ्यक्रम गतिविधियों पर भी सत्र आयोजित किए गए, जिनका उद्देश्य छात्रों का समग्र विकास करना था। छात्रों ने ओरिएंटेशन के दौरान मिले गर्मजोशी भरे स्वागत और मूल्यवान जानकारी के लिए आभार व्यक्त किया। कई छात्रों ने श्री शारदा समूह संस्थान के अनुकूल माहौल और समुदाय की भावना को सराहा। जैसे–जैसे नया शैक्षणिक वर्ष शुरू हो रहा है, संस्थान इन नए छात्रों को उनकी पढ़ाई में उत्कृष्टता प्राप्त करने और जीवंत कैंपस समुदाय में योगदान देने के लिए तत्पर है।

डा. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम टेक्निकल यूनिवर्सिटी, लखनऊ में प्राविधिक शिक्षा विभाग द्वारा प्रदेश के लगभग 60 पॉलीटेक्निक संस्थानों के कुल 100 प्रवक्ताओं के लिए 26 अगस्त से 28 अगस्त तक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम इंफोसिस स्प्रिंग बोर्ड के सहयोग से आयोजित किया गया।जिसके लिए प्राविधिक शिक्षा विभाग और इंफोसिस के बीच एक डव् (समझौता ज्ञापन) हस्ताक्षरित किया गया था। प्रशिक्षण के दौरान, इंफोसिस स्प्रिंग बोर्ड के विशेषज्ञ ट्रेनर्स, मीनाक्षी व्यास और वायु त्रिपाठी ने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर गहन चर्चा की। इनमें डाटा साइंस, मशीन लर्निंग, रोबोट ऑटोमेशन प्रोसेस, डीप लर्निंग, कम्प्यूटर विजन, और नेचुरल लैंग्वेज प्रोसेसिंग के अनुप्रयोग शामिल थे। इन विषयों पर जानकारी प्रदान करने के साथ ही, ट्रेनर्स ने उनके व्यावहारिक उपयोग और उद्योग में उनके महत्व पर भी प्रकाश डाला। प्राविधिक शिक्षा विभाग के निदेशक, श्री अन्नावि दिनेशकुमार ने अपने संबोधन में सभी प्रवक्ताओं से आग्रह किया कि वे इस प्रशिक्षण से प्राप्त ज्ञान को प्रदेश के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थित पॉलीटेक्निक संस्थानों के छात्र–छात्राओं तक पहुंचाएं। उन्होंने बताया कि इस प्रकार की ट्रेनिंग का आयोजन विभाग में पहली बार किया गया है, और भविष्य में भी इस तरह की और प्रशिक्षण योजनाओं का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने सभी प्रवक्ताओं से अपने–अपने पॉलीटेक्निक संस्थानों में शिक्षण, प्रशिक्षण, और प्रयोगात्मक कार्यों को गुणवत्तापूर्ण ढंग से संपादित करने का आग्रह किया। प्राविधिक विश्वविद्यालय के कुलपति, श्री जे. पी. पाण्डेय ने अपने संबोधन में प्रशिक्षणार्थियों को नवीनतम तकनीकी और नवाचार के बारे में छात्रों को जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफल संयोजन प्रधानाचार्य (मुख्यालय), श्री आशीष गुप्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम में डीन इन्नोवेशन हब, प्रो. बी. एन. मिश्रा एवं सेंटर ऑफ एडवांस्ड स्टडीज के एसोसिएट डीन, डॉ. अनुज कुमार शर्मा, प्राविधिक शिक्षा विभाग के सहायक निदेशक, श्री कमलेश मणि, प्रधानाचार्य निदेशालय तकनीकी शिक्षा कानपुर से संबद्ध प्रधानाचार्य डां0 आर.बी. सिंह, महीप सिंह, वन्दना शर्मा एवं इंजी. अनुराग चौबे भी उपस्थित रहे।

31 अगस्त तक आरटीओ कार्यालय में जमा करे लागबुक – डा. आर पी सिंह

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। लोकसभा सामान्य निर्वाचन,2024 में प्रयुक्त भारी वाहनों के किराये के भुगतान के सम्बन्ध में जो वाहन स्वामी लागबुक आरटीओ कार्यालय में नहीं जमा कराये है वे सभी वाहन चालक अपने वाहनों की लागबुक 31 अगस्त तक अवश्य जमा करा दे। इस संबंध में एआरटीओ प्रशासन डॉ आर पी सिंह लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में प्रयुक्त भारी वाहनों के वाहन स्वामियों से अपील किया। उन्होंने बताया कि अभी तक एआरटीओ कार्यालय में

प्राप्त 325 लॉगबुक जिला निर्वाचन अधिकारी अयोध्या को भेजा जा चुका है। परन्तु अभी तक उक्त निर्वाचन में प्रयुक्त 544 भारी वाहनों के सापेक्ष 219 वाहनों की लॉगबुक अभी भी कार्यालय में प्राप्त नहीं हुई है। उन्होंने सभी ऐसे वाहन स्वामी जिनकी वाहन (भारी वाहन) पोलिंग पार्टी हेतु प्रयुक्त की गयी थी और उन्होंने अभी तक अपनी लॉगबुक कार्यालय में नहीं जमा किया है।वो बिना देरी किए 31 अगस्त तक आरटीओ कार्यालय में अवश्य जमा कर दें। जिससे समय से उनके किराये का भुगतान हो सके। अन्यथा वाहन स्वामी को किराये का भुगतान नहीं हो सकेगा। जिसकी पूर्ण जिम्मेदारी वाहन स्वामी की होगी।

समाजसेवी और डाक्टर ने बचाई नन्ही बच्ची की जान

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना) जहाँ देश मे बच्चियों के साथ बुरी घटनाएं घटित हो रही हैं, वहीं हरदोई के युवा समाज को लगातार सकारात्मक संदेश देकर उन्हें सही दिशा दिखाने का प्रयास कर रहे हैं। समाजसेवा मे हमेशा महत्वपूर्ण योगदान देकर अलग पहचान बनाने वाले समाजसेवी अंकित सिंह परमार ने फिर एक बार मानवता की मिसाल पेश की। रात में 1 बजे मोबाइल की घंटी बजने पर जब श्री परमार फोन उठाते हैं, उधर से दबी आवाज मे रोती हुई एक माताजी अपनी 3 साल की बच्ची बबिता के बारे मे बताती हैं। बताया, उनकी 3 साल की बेटी बबिता के दिल मे छेद है और डॉक्टर सर्जरी के लिए बोल रहे हैं। वो क्या करें? आर्थिक तंगी व जानकारी का अभाव भांपकर श्री परमार ने उन्हें मदद का भरोसा दिलाया और बताया कि उन्हें एक कॉल आएगा और वो आपसे मिलेंगे तथा हर संभव मदद करेंगे। श्री परमार ने अपनी टीम के लखनऊ

के किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज (ट्रामा सेंटर ओ0 टी0) मे कार्यरत डॉ राजीव कुमार सिंह को कॉल किया और सारी बात बताई। डॉ राजीव तुरंत माताजी से मिले। बच्ची बबिता को भर्ती कराकर इलाज शुरू कराया। डॉक्टर ने ब्लड की अवश्यता बताई तो परिस्थिति को देखते हुए स्वयं डॉक्टर राजीव ने ब्लड डोनेट कर समाज को मानवता का संदेश दिया। बच्ची की माँ ने बताया कि समाजसेवी अंकित सिंह परमार और डॉक्टर राजीव उनके लिए भगवान का रूप बनकर आए हैं। डॉक्टर साहब ने रात मे बच्ची को भर्ती कराया। आर्थिक मदद की और बच्ची को अपना खून दिया। मदद के बाद डॉक्टर राजीव ने बताया कि वो भी हरदोई के कसरावाँ निवासी हैं और समाजसेवी अंकित सिंह परमार का काम उन्हें बहुत प्रभावित करता है। बीते 9 साल से वो श्री परमार से जुड़े हैं और उनसे जो भी होता है वो सेवा में योगदान करते रहते हैं।

टक्कर से सड़क पर गिरे छात्र को पिकअप ने 100 मीटर तक घसीटा, मौत

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में गोविंदनगर के नौरैयाखेड़ा में सोमवार देर रात मंदिर से जन्माष्टमी का प्रसाद लेकर घर लौट रहे पांचवीं के छात्र को पिकअप ने टक्कर मार दी। हादसे में छात्र सड़क पर गिर गया और गाड़ी में फंसकर 100 मीटर तक घिसटता चला गया। मौके पर ही उसकी मौत हो गई। पोस्टमार्टम के बाद परिजनों ने मंगलवार शाम थम्सअप चौराहे से नौरैयाखेड़ा जाने वाली सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया और मुआवजे की मांग करने लगे। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई करने का आश्वासन दिया, जिस पर आक्रोशित लोग शांत हुए। नौरैया निवासी फैक्टरीकर्मी संदीप सिंह का इकलौता बेटा रितिक सिंह (10) घर से कुछ दूरी पर स्थित मंदिर से सोमवार रात जन्माष्टमी के मौके पर प्रसाद लेने गया था, जहां से वह घर लौट रहा था। सड़क पार करने के दौरान तेज रफ्तार पिकअप की टक्कर से वह गिर गया और गाड़ी में फंसकर 100 मीटर तक घिसटता चला गया।

पुलिस और परिजन रितिक को हैलट ले गए, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि पिकअप में 17 साल का नाबालिग बैठा मिला था, जिसे पुलिस को सौंपा गया। हालांकि दादानगर फैक्टरी एरिया चौकी प्रभारी अंकुर मलिक ने बताया कि चालक रोशनलाल गाड़ी छोड़कर भाग गया। वह महाराजपुर के नाबालिग को हेल्पर के रूप में साथ लेकर चलता था। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। मंगलवार शाम परिजन और आसपास के लोगों ने छात्र के शव को थम्सअप चौराहे के पास सड़क पर रखकर जाम लगा दिया।

एसपी ने 12 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में किया बदलाव

कन्नौज, संवाददाता। एसपी ने 12 उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। दो उपनिरीक्षकों को पुलिस लाइन से चौकी प्रभारी बनाया है। वहीं, कलां चौकी में तैनात अजब सिंह को सरायमीरा चौकी प्रभारी बनाया गया तो दरोगा विकल्प चतुर्वेदी को शहर की मुख्य कस्बा चौकी की जिम्मेदारी दी गई है। एसपी अमित कुमार आनंद ने बताया कि अनिलेश कुमार को पुलिस लाइन से सौरिख थाना की खड़िनी चौकी, विकल्प चतुर्वेदी को कला चौकी, किशनवीर को गुरसहायगंज कोतवाली की अनौगी चौकी, अजब सिंह को कला चौकी से सरायमीरा चौकी प्रभारी बनाया गया है। इसके अलावा अरविंद सिंह को सदर कोतवाली से सकरावा थाना के चपुन्ना चौकी, राजेश कुमार रावत को चपुन्ना से तालग्राम की अनौगी चौकी, प्रदीप कुमार को दौलताबाद से सरायप्रयाग चौकी, मेवालाल यादव को पुलिस लाइन से दौलताबाद चौकी, मुईनुल्ला खां को सौरिख थाना से इंदरगढ़, आशीष कुमार को सरायप्रयाग चौकी से गुरसहायगंज कोतवाली, मोहम्मद तौकीर को मंडी चौकी से हाजी शरीफ चौकी और कामता प्रसाद पाल को थाना तालग्राम से नवीन सलेमपुर चौकी प्रभारी बनाया गया है।

91 कांस्टेबलों के कार्यक्षेत्र भी बदले

एसपी ने हेड कांस्टेबल, कांस्टेबल और महिला कांस्टेबलों के भी कार्यक्षेत्र में बदलाव किया है। जिले के 91 कांस्टेबलों को इधर से उधर किया है। इनमें कंप्यूटर ऑपरेटर व सीसीटीएनएस प्रभारियों के कार्यक्षेत्र में भी बदलाव किया गया है।

ट्रैक्टर–टाली पलटने से दो श्रद्धालुओं की मौत हुई

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में मंगलवार को ट्रैक्टर–टॉली पलटने से एक नाबालिग समेत दो श्रद्धालुओं की मौत हो गई। वहीं, आठ लोग घायल हो गए। घायलों में महिलाएं भी शामिल हैं। हादसे के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीणों ने घायलों को अस्पताल भिजवाया। यह लोग राजस्थान के बाड़ी क्षेत्र के विशनगिरी बाबा मेले में दर्शन कर घर लौट रहे थे। मामला जगनेर थाना क्षेत्र के गांव सिंगायच का है। यहां के एक दर्जन लोग ट्रैक्टर–ट्रॉली से राजस्थान के बाड़ी क्षेत्र के विशनगिरी बाबा मेले में दर्शन के लिए गए थे। बाड़ी के गांव गडरपुरा के समीप ट्रैक्टर–ट्रॉली पलटने से दो लोगों की मौत हो गई। आठ अन्य लोग घायल हो गए। मृतकों में वीरेंद्र (50) पुत्र नवल सिंह और हेमंत (14) पुत्र महेंद्र गोस्वामी हैं। वहीं, घायलों में खुदी (50), हिमांशु (7), नवीन (16), सुधा (45), अनीता (35), शीला (48), महेंद्र (40) और अनीता (40) शामिल हैं। घटना के बाद मौके पर एकत्रित हुए ग्रामीणों ने घायलों को ट्रैक्टर–ट्रॉली के नीचे से घायलों को निकाल कर नजदीकी अस्पताल भिजवाया।

बताया जा रहा है सिंगायच निवासी महेंद्र सिंह परिजन और ग्रामीणों के साथ ट्रैक्टर–ट्रॉली से विशनगिरी बाबा के मेले में गए थे। बाड़ी के समीप किसी वाहन को बचाने के चक्कर में ट्रैक्टर–ट्रॉली का संतुलन बिगड़ गया। इससे वह अनियंत्रित होकर पलट गई। इससे उसमें सवार एक दर्जन लोग उसके नीचे दब गए।

रंगदारी मांगने में माफिया सहित 10 के खिलाफ मुकदमा

फर्रुखाबाद, संवाददाता। रंगदारी मांगने में माफिया अनुपम दुबे व उनके दोनों भाइयों सहित 10 लोगों के खिलाफ पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। इसमें दबाव बनाकर सहयोगी के नाम पर जमीन का बैनामा करवाने का भी आरोप लगाया है। मोहम्मदाबाद कोतवाली क्षेत्र के गांव गाजीपुर निवासी अमर पाल सिंह ने फतेहगढ़ कोतवाली के मोहल्ला कसरट्टा निवासी माफिया डॉ अनुपम दुबे (वर्तमान में उम्रकैद की सजा में मथुरा जेल मेंबंद),भाई अनुराग दुबे उर्फ डब्बन (25 हजार के इनाम में फरार) ब्लॉक प्रमुख भाई अमित दुबे उर्फ बब्बन (वर्तमान में हरदोई जेल में बंद), अभिषेक दुबे उर्फ जीतू दुबे, गांव बरारिख

निवासी रामसागर, अवधेश उर्फ भूरे, महेंद्र उर्फ रीशू, सोनी, सौरभ द्विवेदी, गांव सहसापुर निवासी हरिभान के खिलाफ मऊदरवाजा थाने में मुकदमा दर्ज कराया। इसमें बताया कि उसके पास गांव अलावलपुर में खेत है। उसने रामसागर से एक लाख रुपये उधार लिया था। इसके एवज में खेत का शर्तिया बैनामा 12 अगस्त 2011 को कर दिया था। ब्याज सहित रामसागर को 1.48 लाख रुपये वापस कर दिए। रामसागर ने 13 अगस्त 2012 को जमीन का वापस उसको बैनामा कर दिया। उसी दिन अनुराग दुबे सहित सभी लोग आए। उसको तमंचे के बल पर गाड़ी में बैठाकर माफिया के घर ले गए। वहां अनुपम दुबे सहित सभी लोगों ने गाली–गलौज कर खेत का बैनामा रामसागर के पक्ष में करने का दबाव बनाकर परिवार सहित जान से मारने की धमकी दी। तहसील ले जाकर रामसागर के पक्ष में जमीन का बैनामा करा दिया। कोई रुपया नहीं दिया। जमीन वापस करने के नाम पर 10 लाख की रंगदारी मांगी। आठ लाख रुपये अमित दुबे उर्फ बब्बन को दिए। इसके बाद भी इन लोगों ने रामसागर से खेत का बैनामा 5 मार्च 2020 को अवधेश उर्फ भूरे के पक्ष में करा दिया। माफिया व उसके भाइयों के भय के कारण शिकायत नहीं कर पाया।

चचेरे भाई को बांका से काट डाला था, कोर्ट ने दोषी को सुनाई आजीवन कारावास की सजा

मैनपुरी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी में सात साल पहले युवक की बांका से काटकर हत्या करने वाले चचेरे भाई को दोषी पाकर

आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। उस पर 16 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया गया है। मंगलवार को सजा सुनाने के बाद जिला जज सुधीर कुमार ने उसको हिरासत में लेकर जेल भेज दिया है। मामला थाना कुर्रा के गांव सहन का है। यहां का रहने वाला पप्पू 22 अक्तूबर 2017 को दोपहर एक बजे सहन के बाजार में तिराहे पर बैठा था। तभी उसका चचेरा भाई अजय शराब के नशे में वहां आया और पप्पू को गालियां देने लगा। पप्पू ने जब गालियां देने से मना किया तो उसने मुर्गा काटने वाले बांका से काटकर पप्पू की हत्या कर दी। शोरगुल सुनकर लोगों को आते देख अजय, बांका लेकर मौके से भाग गया। पप्पू के भाई मुन्नालाल ने अजय के खिलाफ थाना कुर्रा में रिपोर्ट दर्ज करा दी। पुलिस ने अजय को जेल भेज दिया। जांच करने के बाद चार्जशीट न्यायालय में भेज दी। मुकदमे की सुनवाई जिला जज सुधीर कुमार के न्यायालय में हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से वादी, विवेचक, चिकित्सक सहित गवाहों ने अजय के खिलाफ कोर्ट में गवाही दी। गवाही के आधार पर अजय को चचेरे भाई पप्पू की हत्या करने का दोषी पाकर जिला जज सुधीर कुमार ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। उस पर 16 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया है। सजा सुनाने के बाद जिला जज ने उसको हिरासत में लेकर जेल भेज दिया है। पुलिस ने अजय के कब्जे से हत्या में प्रयोग किया गया बांका भी बरामद किया था। अजय के खिलाफ इसका मुकदमा अलग से चला।

घर में घुसकर किशोरी से छेड़छाड़, धारदार हथियार से हमला किया गया

कन्नौज, संवाददाता। कन्नौज जिले के तालग्राम में घर में घुसकर युवक ने किशोरी के साथ छेड़छाड़ की। विरोध करने पर किशोरी पर धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। मदद के लिए पहुंची किशोरी की चाची को भी पीटते हुए भाग निकले। आरोपी की चप्पल और शर्ट घर में ही छूट गई। पुलिस ने तहरीर के आधार रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की गिरफ्तारी के प्रयास शुरू कर दिए। तालग्राम थाना क्षेत्र के एक गांव में मंगलवार दोपहर किशोरी के माता–पिता खेत पर गए थे। किशोरी घर पर अकेली थी। इस दौरान गांव का आशीष घर में घुस आया और किशोरी से छेड़छाड़ का प्रयास करने लगा। विरोध करने पर धारदार हथियार से किशोरी पर हमला कर दिया, जिससे किशोरी के दोनों हाथों की नस कट गई। शोरगुल सुन पड़ोस में रहने वाली किशोरी की चाची दौड़ कर आईं तो आरोपी उन्हें भी पीटते हुए फरार हो गया। आरोपी की चप्पलें और शर्ट मौके पर पही छूट गए। सूचना पर डायल 112 पुलिस मौके पर पहुंची। घायल किशोरी को सीएचसी पहुंचाया, जहां पर डाक्टर ने प्राथमिक इलाज के बाद उसे मेडिकल कॉलेज तिर्वा रेफर कर दिया है। प्रशिक्षु सीओ कपूर कुमार ने बताया कि तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है। घायल किशोरी को इलाज के लिए भेजा गया है। आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगाई गई है।

परिजन बोले– दो माह से कर रहा था परेशान

किशोरी के परिजनों ने बताया कि आरोपी बेटी को कई बार परेशान कर चुका है। दो माह पहले अभद्रता करने पर लोगों ने समझाकर मामला शांत कर दिया था। युवक गांव से कहीं बाहर चला गया था। रक्षाबंधन पर वह घर आया और मंगलवार को घर में घुसकर हरकत कर दी। घटना की रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। किशोरी की हालत ठीक है। थाना प्रभारी को कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

दस से अधिक लोगों से चार करोड़ की ठगी करने वाला गिरफ्तार

मेरठ, संवाददाता। कोतवाली पुलिस ने चार करोड़ रुपये की ठगी करने के आरोपी सराय बहलीम निवासी नदीम को गिरफ्तार किया है। आरोपी मुंबई भागने की फिराक में था। उसने दुकान बेचने और कारोबार ने नाम पर 10 से ज्यादा लोगों से चार करोड़ रुपये ठग लिए थे। एसएसपी डॉ. विपिन ताडा ने इस मामले में विवेचक को भी तलब किया था। कंकरखेड़ा पाबली खास निवासी रिहान ने जून माह में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। जिसमें बताया कि वर्ष 2023 में उसके रिश्तेदार सुहेल ने नदीम निवासी सराय बहलीम से मुलाकात कराई थी। बताया था कि नदीम का स्क्रैप का बड़ा कारोबार है और जली कोठी में लोहे की दुकान है। जिसकी कीमत करीब 35 से 40

लाख है। नदीम उनसे रुपये उधार लेता और कुछ समय बाद वापस कर देता था। यह सिलसिला चलता रहा। इस साल 16 जनवरी को नदीम से उससे 80 हजार रुपये उधार मांगे। लोहे का काम ठीक न चलने की बात कहते हुए नदीम ने अपनी दुकान बेचने प्रस्ताव रखा। उसने कहा कि दुकान की कीमत 40 लाख है लेकिन वह 35 लाख में बैनामा कर देगा। 18 जनवरी को दुकान का सौदा तय हो गया। नदीम ने अलग–अलग तिथियों में करीब 28 लाख रुपये उनसे ले लिए। इसके बाद बैनामा कराने की बात पर टालमटोल करने लगा। शक होने पर रिहान ने जानकारी की तो पता चला कि उसने फर्जी कागजात दिखाकर उनके साथ ठगी की। रकम वापस मांगने पर आरोपी जान से मारने की धमकी देने लगा। सोमवार को पुलिस ने आरोपी को दबोच लिया। आरोपी नदीम ने रिहान के साथ ही नहीं कई और लोगों के साथ भी ठगी कर रखी है। उसकी गिरफ्तारी का पता चलने पर कई लोग कोतवाली थाने पहुंच गए। सभी ने पुलिस को बयान दिया कि उनसे भी आरोपी ने लाखों रुपये कारोबार के नाम पर ठग लिए हैं। कई बार तकादा करने के बाद भी रकम वापस नहीं की और धमकी दी। देहली गेट जली कोठी निवासी हाजी जाकिर से 28 लाख, कोतवाली शाहपीर गेट निवासी तारिक से 70 लाख, खत्ता रोड निवासी साकिब से 45 लाख और खैरनगर निवासी खुर्रम से डेढ़ लाख रुपये उधार लिए हैं।

मुठभेड़ में पकड़ा दो बंदूकें चोरी करने वाला बदमाश

शामली, संवाददाता। गढ़ीपुख्ता थानाक्षेत्र के गांव गढ़ी अब्दुल्ला खां में प्रॉपर्टी डीलर के घर में चोरी करने वाला बदमाश पुलिस मुठभेड़ में घायल हो गया। पैर में गोली लगने पर बदमाश को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। उससे चोरी की दोनों बंदूकें और कारतूस बरामद हो गए हैं। गांव गढ़ी अब्दुल्ला खां निवासी प्रॉपर्टी डीलर खिजर अहमद के घर में रविवार रात बदमाश ने स्टोर का ताला तोड़कर दो लाइसेंसी बंदूक, 6 कारतूस, दो मोबाइल और कुछ नगदी चोरी की थी। पुलिस ने अज्ञात में मामला दर्ज कर लिया था। एएसपी संतोष कुमार सिंह ने बताया सोमवार की रात गढ़ी पुख्ता पुलिस जब गश्त कर रही थी। इस दौरान हथछोया पुलिया के पास चोरी करने वाले बदमाश की सूचना मिली। पुलिस मौके पर पहुंची तो बदमाश ने चोरी की हुई लाइसेंसी बंदूक से ही पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदमाश घायल हो गया। गिरफ्तार बदमाश ने अपना नाम जैद निवासी गढ़ी अब्दुल्ला खां बताया। उसके उसके कब्जे से चोरी की हुई दोनों लाइसेंसी बंदूक, चार कारतूस, दो खोखा और दो मोबाइल बरामद हुए। बदमाश को अस्पताल मे भर्ती कराया गया है।

सड़क हादसे में शिक्षक की मौत

बिजनौर, संवाददाता। सड़क हादसे में बाइक सवार 54 वर्षीय शिक्षक कृष्ण वीर सिंह पुत्र स्वर्गीय मास्टर नन्हे सिंह की मौत हो गई। बताया गया कि मास्टर कृष्णवीर सिंह उत्तराखंड के देहरादून स्थित रायपुर के प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक थे। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। नूरपुर थाना क्षेत्र के गांव भवानीपुर तरकोला निवासी बबीता रानी ने बताया कि उनके पति कृष्णवीर सिंह उत्तराखंड देहरादून के रायपुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में शिक्षक के पद पर कार्यरत थे। वह श्री कृष्ण जन्माष्टमी के मौके पर तीन दिन का अवकाश लेकर त्योहार मनाने के लिए अपने घर भवानीपुर तरकोला आए थे। मंगलवार सवेरे 5रू00 बजे वह बाइक से देहरादून रायपुर के प्राथमिक विद्यालय में जा रहे थे। धामपुर में रेलवे ओवरब्रिज को पार करते समय नगीना चौराहा के पास उनकी बाइक और किसी अज्ञात वाहन में टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कृष्ण वीर सिंह की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन को लेकर फरार हो गया। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के माध्यम से आरोपी वाहन चालक को तलाश करने का प्रयास कर रही है। बताया गया कि शिक्षक ने अपना मकान देहरादून के मियांवाला में भी बना रखा था। वह अक्सर वहीं रहते थे।

पीजी कालेज में एमए और एमकाम की दूसरी मेरिट जारी

बांदा, संवाददाता। पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज में सोमवार को एमए और एमकॉम की दूसरी मेरिट सूची जारी की गई है। एमए में सामान्य वर्ग की 55 प्रतिशत व एमकाम में 63.25 प्रतिशत मेरिट गई है। प्राचार्य ने छात्र–छात्राओं से 29 अगस्त तक दाखिले लेने को कहा है।

अतर्रा महाविद्यालय में छात्र–छात्राओं को एमए व एमकॉम प्रथम वर्ष के मेरिट सूची का बेसब्री से इंतजार था। एमकॉम जनपद के चुनिंदा कॉलेजों में ही है। इसलिए यहां दाखिले को लेकर मारामारी रहती है। कॉलेज प्रशासन ने सोमवार को दोनों कक्षाओं की मेरिट सूची चस्पा कर दी है।

परास्नातक एमए राजीनति विज्ञान में सामान्य वर्ग की सूची 55 प्रतिशत गई है। अति पिछड़ा वर्ग में 53.30 प्रतिशत, अनुसूचति जाति में 36 प्रतिशत मेरटि गई है। वहीं एम कॉम में सामान्य वर्ग की 63.25 प्रतिशत मेरिट आई है। अति पिछड़ा वर्ग में 61.30 व अनुसूचित जाति में 41.40 प्रतिशत मेरिट आई है। इसके अलावा समाजशास्त्र में भी यही मेरिट है

प्राचार्य डॉ.अवधेशचंद्र मिश्र ने कहा है कि प्रवेश लेने वाले छात्र–छात्राओं को संबंधित विभागाध्यक्ष से संपर्क कर निर्धारित समय में प्रवेश लेना होगा। सभी सीटें पहले आओ–पहले पाओ के आधार पर भरी जाएंगी। मंगलवार से 29 अगस्त तक इस मेरिट के प्रवेश लिए जाएंगे।

संक्षिप्त खबरें

रुपये से भरा पर्स गिरने से आहत वृद्ध ने फंदे से लटक कर दी जान

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में सेन पश्चिम पारा न्यू आजादनगर चौकी क्षेत्र के सकरापुर गांव निवासी रामबिहारी (60) का शव मंगलवार शाम गांव के बाहर राजेंद्र पासवान के बगीचे में फंदे पर लटका मिला। ग्रामीणों ने फंदे पर शव लटका देख परिजनों और पुलिस को जानकारी दी। बेटे राजन ने बताया कि पिता दोपहर को घर के पास ताश के पत्ते खेल रहे थे, जहां उनका रुपये से भरी पर्स गिर गया। वह घर लौटे और काफी देर तक दरवाजे पर बैठे रहे। इसके बाद वह अचानक गायब हो गए। बताया कि उसकी मां शिवदेवी छोटे भाई धीरेंद्र संग भिल्सी गांव स्थित ननिहाल में रहती हैं। थाना प्रभारी गौतम सिंह ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मां की डांट से आहत किशोर ने फंदा लगाकर दी जान

बांदा, संवाददाता। मां की डांट से क्षुब्ध होकर किशोर ने खेत में लगे बेरी के पेड़ से फंदा लगाकर जान दे दी। देहात कोतवाली क्षेत्र के करबई गांव निवासी कन्हैया (14) ने सोमवार की दोपहर खेत में लगे बेरी के पेड़ी से गमछे से फंदा लगा लिया।

पिता रामस्वरूप वर्मा ने बताया कि वह पत्नी व कन्हैया के साथ खेत में काम कर रहा था। तभी कामकाज को लेकर कन्हैया की मां ने उसे डांट दिया। इस बीच वह खाना खाने घर चले गए। लौटकर खेत आए तो वह फंदा लगाए मिला। देहात कोतवाली इंस्पेक्टर सुखराम सिंह ने बताया कि मां के डांटने पर फंदा लगाया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

ओवरलोड टेंपो ने बाइक पर मारी टक्कर, दो की मौत

बांदा, संवाददाता। बांदा से परचून का सामान लादकर खुरहंड जा रहे ओवरलोड टेंपो ने सामने से आ रही बाइक में टक्कर मार दी। इससे बाइक सवार दो लोगों की मौत हो गई। टेंपो में बैठे दो लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है

। गिरवां थाना क्षेत्र के खुरहंड गांव निवासी अनिल सिंह (42) पड़ोसी धर्मेंद्र तिवारी उर्फ मुखिया पंडित (55) के साथ धान की फसल की रखवाली के लिए रविवार की रात करीब साढ़े नौ बजे खेत जा रहे थे। बाइक अनिल चला रहे थे। वह हेलमेट पहने थे। तभी बांदा की ओर से परचून का माल लादकर आए टेंपो से उनकी बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बाइक सवार और टेंपो में बैठे दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। बाइक सवार दोनों को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। टेंपो सवार खुरहंड गांव के सागर उर्फ जौहरी सविता (40) और वीरेंद्र गुप्ता (45) का इलाज रानी दुर्गावती मेडिकल कॉलेज व जिला अस्पताल में किया जा रहा है।

हादसा इतना भीषण था कि हेलमेट भी चकनाचूर हो गया। हादसे के बाद टेंपो चालक मौके से भाग निकला। पुलिस ने क्षतिग्रस्त टेंपों व बाइक को कब्जे में लिया है। सीओ गवेंद्र पाल गौतम ने बताया कि टेंपो की टक्कर से दो लोगों की मौत हुई है। दो अन्य घायल हैं। घायलों का इलाज किया जा रहा है। दोनों शवों का पोस्टमार्टम कराया गया है।

स्कूल बस पर फायरिंग करने के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

सहारनपुर, संवाददाता। सर्वोदय ज्ञान स्कूल की बस पर फायरिंग करने के मामले में पुलिस ने एक ओर वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। जिसे न्यायालय में पेश किया गया। इससे पूर्व पुलिस मुख्य नाबालिग आरोपी को गिरफ्तार कर चुकी है।

तीन दिन पूर्व सर्वोदय ज्ञान पब्लिक स्कूल की बस पर बुलेट और बाइक सवार पांच लोगों ने मकबरा गांव के समीप फायरिंग कर दी थी। जिसमें कई गोलियां बस की बॉडी में जाकर लगी थी। इसमें कई छात्र गोली लगने से बाल बाल बच गए थे। मामले में बस ड्राइवर रवि कुमार की तरफ से रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रविवार को पुलिस ने मुख्य नाबालिग आरोपी (14) को गिरफ्तार किया था। सोमवार को पुलिस ने सरसावा के मोहल्ला अभिषेक नगर निवासी विशु उपाध्यक्ष युवक को मकबरा पुलिया से गिरफ्तार किया है। उसके कब्जे से एक तमंचा व दो कारतूस बरामद हुए हैं। बताया कि शेष वांछित आरोपियों की भी शीघ्र गिरफ्तारी की जाएगी।

मदरसा मोहतमिम को जान से मारने की धमकी, तहरीर दी

सहारनपुर, संवाददाता। इत्तेहाद उलमा– ए– हिंद के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष व मदरसा जामिया शेखुल हिंद के मोहतमिम मौलाना मुफ्ती असद कासमी ने कोतवाली में दी तहरीर देकर जान का खतरा बताते हुए सुरक्षा करने की गुहार लगाई है। मुफ्ती के मुताबिक कोई व्यक्ति फोन कर गाली गलौज करते हुए उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहा है। मौलाना मुफ्ती असद कासमी ने बताया कि सोमवार को उनके मोबाइल पर किसी व्यक्ति ने फोन किया और अकारण उनके साथ गाली गलौज करने लगा।

पूछताछ करने पर फोन करने वाले व्यक्ति ने उन्हें कई स्थानों पर बुलाकर गुमराह भी किया। आरोप है कि उक्त व्यक्ति जान से मारने की धमकी दे रहा है। मुफ्ती असद ने पुलिस से आरोपी का पता लगाकर सख्त कार्रवाई करने और सुरक्षा किए जाने की गुहार लगाई है। वहीं, पुलिस का कहना है कि तहरीर के आधार पर मामले की जांच की जा रही है।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।